• जयपुर, सोमवार, 26 अगस्त 24 • वर्ष 14 • अंक 11 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 अजमेर जिले की श्रीनगर थाना पुलिस ने चोरी के मामले में मोग्या..

पेज @4 चोरी के चार मोटरसाईकिल के साथ चार चोर गिरफ्तार

पेज @8 जन्मष्ठमी पर भगवान श्रीकृष्ण को क्यों लगाया जाता है छप्पन भोग...

कोर्ट का चक्कर आते ही, परेशान हो जाते हैं लोगः पीएम नरेंद्र मोदी

भारतीय न्याय संहिता की मूल भावना को अधिकाधिक प्रभावी बनाना हम सबकी जिम्मेदारी,विकसित भारत में सभी के लिए सरल, सुलभ और सुगम न्याय की गारंटी बेहद महत्वपूर्ण : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राजस्थान हाईकोर्ट की स्थापना के प्लेटिनम जुबली समापन समारोह में शामिल हुए, मोदी ने हाईकोर्ट म्यूजियम का भी उद्घाटन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा- आज दशकों बाद आम लोगों की पीड़ा और उस चक्कर को खत्म करने के लिए सरकार ने प्रभावी कदम उठाए हैं। मेरा मानना है कि न्याय हमेशा सरल और स्पष्ट होता है, लेकिन कई बार प्रक्रियाएं उसे मुश्किल बना देती है। हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम न्याय को सरल और स्पष्ट बनाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट के अस्तित्व से हमारे राष्ट्र की एकता का इतिहास जुड़ा है। आप सब जानते हैं कि सरदार पटेल ने जब 500 से ज्यादा रियासतों को जोड़कर देश को एक सूत्र में पिरोया था, तो उसमें राजस्थान की भी कई रियासतें थीं। जयपुर, उदयपुर और कोटा जैसी कई रियासतों के अपने हाईकोर्ट भी थे। इनके इंटिग्रेशन (एकीकरण) से राजस्थान हाईकोर्ट अस्तित्व में आया यानी राष्ट्रीय एकता ये हमारे ज्यूडिशियल सिस्टम का भी फाउंडिंग स्टोन है। ये फाउंडिंग स्टोन जितना मजबूत होगा, हमारा देश और व्यवस्थाएं भी उतनी ही मजबूत होंगी।

मोदी ने कहा- मेरा मानना है कि न्याय हमेशा सरल और स्पष्ट होता है, लेकिन कई बार प्रक्रियाएं उसे मुश्किल बना देती हैं। ये हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम न्याय को ज्यादा से ज्यादा सरल और स्पष्ट बनाएं। मुझे संतोष है कि देश ने इस दिशा में कई ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठाए हैं। हमने पूरी तरह से अप्रासंगिक हो चुके सैकड़ों औपनिवेशिक कानूनों को रद्द किया है। आजादी के इतने दशक बाद गुलामी की मानसिकता से उबरते हुए देश ने भारतीय दंड संहिता की जगह 'भारतीय न्याय संहिता' को अपनाया है। दंड की जगह न्याय ये भारतीय चिंतन का आधार है। संहिता इस मानवीय चिंतन को आगे बढ़ाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा- अभी 15 अगस्त को मैंने लाल किले से सेक्यूलर सिविल कोड (धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता) की बात की है। इस मुद्दे पर भले ही कोई सरकार पहली बार इतनी मुखर हुई हो, लेकिन हमारी ज्यूडिशियरी दशकों से इसकी वकालत करती आई है। राष्ट्रीय एकता के मुद्दे पर न्यायपालिका का ये स्पष्ट रुख न्यायपालिका पर देशवासियों में भरोसा और बढ़ाएगा। मुझे विश्वास है हमारी अदालतें ईज ऑफ जस्टिस (न्याय में आसानी) को इसी तरह सर्वोच्च प्राथमिकता देती रहेंगी। हम जिस विकसित भारत का सपना लेकर आगे बढ़ रहे हैं, उसमें हर किसी के लिए सरल, सुलभ और सहज न्याय की गारंटी हो, ये बहुत जरूरी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय का स्वर्णिम इतिहास रहा है। इसका नाम उन 9 उच्च न्यायालयों में गर्व के साथ लिया जाता है, जिन्होंने देश में आपातकाल के दौरान भी न्याय के सिद्धांतों की रक्षा की। उन्होंने कहा कि जब आपातकाल के दौरान नागरिक अधिकारों का हनन हो रहा था, तब इस न्यायालय ने यह सुनिश्चित किया कि व्यक्ति अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती दे सके। यह निर्णय इस बात का प्रमाण है कि न्यायालय ने हमेशा 'कानून का शासन' का सम्मान किया है और उसकी रक्षा के लिए खड़ा रहा है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में न्यायपालिका, कार्यपालिका तथा विधायिका बेहतर काम कर रही हैं। इसी का परिणाम है कि ढेरों मामले आपसी समझाइश से सुलझे हैं और लोगों को लंबी कानूनी प्रक्रिया से निजात मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्षों पुराने कानूनों को खत्म करने, नये कानूनों से प्रक्रिया को आसान बनाने और नियमों के सरलीकरण जैसे काम किए हैं। सरलीकरण के तहत जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2023 के 42 केंद्रीय कानूनों में से 183 प्रावधानों को अपराधमुक्त करके व्यापार करने में आसानी लाने के लिए बनाया गया है। शर्मा ने कहा कि 75 वर्षों में राजस्थान उच्च न्यायालय ने अनगिनत महत्वपूर्ण फैसलों के माध्यम से देश और राज्य की न्यायिक प्रक्रिया को समृद्ध किया है। यह न्यायालय हमारे संविधान के मूल्यों, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का सच्चा प्रहरी बना हुआ है।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि आधुनिक गणराज्य के रूप में भारत की नींव हमारा गौरवशाली संविधान है, जिसकी आधारशिला ही न्याय है। समारोह में महामहिम राज्यपाल हरी भाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ,उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ,सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संजीव खन्ना ,राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम.एम श्रीवास्तव,केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ,अन्य न्यायाधीश गण एवं अधिवक्ता गण व बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

हर वर्ग और हर क्षेत्र का समग्र विकास, हमारा प्रयास : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 25 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अपनी जोधपुर यात्रा के दौरान सर्किट हाउस में जनसुनवाई की। उन्होंने बड़ी संख्या में आए लोगों से आत्मीयता से मुलाकात कर उनकी परिवेदनाएं सुनीं और अधिकारियों को इनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब, महिला, युवा एवं किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इस दिशा में लगातार जनकल्याणकारी निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए आमजन से जुड़ी सेवाओं को निरंतर सुगम और सुदृढ़ बनाया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि हर वर्ग और हर क्षेत्र का समग्र विकास हो।

● आमजन ने किया मुख्यमंत्री का भावपूर्ण स्वागत

जनसुनवाई में उपस्थित आमजन ने परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 में जोधपुर जिले की घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही साफा, माला एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर मुख्यमंत्री का भावपूर्ण स्वागत किया।

अपने जोधपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल मैं कार्यकर्ताओं के साथ सूर्यनगरी जोधपुर स्थित सर्किट हाउस में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'टिफिन गोठ' कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के साथ भोजन ग्रहण किया। इस अवसर पर सूर्यनगरी जोधपुर एवं समग्र राजस्थान के विकास तथा जनकल्याण के विषय पर कार्यकर्ता बंधुओं के साथ गहन और सार्थक विचार-विमर्श किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि निःसंदेह, संगठन परिवार के सदस्यों के साथ इस प्रकार का सामूहिक भोज न केवल भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, अपितु राजनीतिक संवाद, संगठन भावना और सामूहिक लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रोत्साहित करता है।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले, आखिरी सैलरी का 50प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा

नई दिल्ली/एजेंसी।

सरकार ने केन्द्रीय कर्मचारियों के लिये नई पेंशन योजना (एनपीएस) के विकल्प के रूप में शनिवार को एक नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) लागू करने के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी जिसमें कर्मचारी को 25 वर्ष की सेवा के बाद आखिरी वर्ष के औसत वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी। यूपीएस के लिये सरकार 18.5 प्रतिशत का योगदान करेगी और इसमें फैमिली पेंशन, गारंटी शुदा न्यूनतम पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद एकमुश्त भुगतान के भी प्रावधान किये गये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये फैसलों की जानकारी देते हुये सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा, यह योजना पूर्ण रूप से वित्तीय व्यवस्था के साथ लागू की जा रही है। यह कांग्रेस शासित कुछ राज्यों की योजनाओं के तहत कोई खोखला वादा नहीं है। उन्होंने बताया कि इस योजना से 30 लाख केन्द्रीय कर्मचारियों को फायदा होने की उम्मीद है और राज्य सरकारें यूपीएस को लागू करती हैं तो कुल 90 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा हो सकेगा।

भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा एवं विकासोन्मुखी नीतियों का संदेश जन जन तक पहुंचाए: भजनलाल शर्मा

भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं को बढ़चढ़ कर जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकताः- मदन राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर, 25 अगस्त 2024। भाजपा के सदस्यता अभियान की जोधपुर जिला कार्यशाला में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक मेहनत से भारतीय जनता पार्टी को जीताकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनाया। भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनाने पर कार्यकर्ताओं को धन्यवाद और आभार।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं को बढ़चढ़ कर अपनी भूमिका निभाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बजट में जो भी घोषणाएं हुई है उसको आमजन तक पहुंचाएं। प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार विकास के नए आयाम को स्थापित कर रही है। भाजपा सरकार घर-घर सोलर पैनल लगाने की योजना लेकर आई है ताकि आमजन पर बिजली का भार कम हो सके। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में राजस्थान में छह विधानसभाओं में उपचुनाव होने जा रहे है इसलिए भाजपा कार्यकर्ता चुनावी क्षेत्र में अपने परिचितों से सम्पर्क कर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करें।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि बांग्लादेश व पाकिस्तान में कितनी अराजकता उत्पन्न हुई है। कांग्रेस आज हमारे विरोध में खड़ी है और अनेक प्रकार की अव्यवस्था फैला रही है ताकि देश आर्थिक स्थिति से पिछड़ जाएं। उन्होंने बांग्लादेश एवं पाकिस्तान में उत्पन्न हो रही विकराल स्थितियों को हवाला देते हुए कहा कि बांग्लादेश में इतनी अराजकता फैल गई है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को भी भागकर भारत में शरण लेनी पड़ी। ऐसे में हमारे देश में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिए सावधान रहने की जरूरत है। देश और प्रदेश में विपक्षी विरोधी ताकतों का षड़यंत्र विफल करना है। कांग्रेस ने कश्मीर में नेशनल कांफ्रेस के साथ समझौता किया, जिसने घोषणा की कि यदि वो सत्ता में आई तो कश्मीर में पहले जैसी स्थिति पैदा करेगी। ऐसे में हम सभी को जागरूक नागरिक का दायित्व निभाना है और ऐसी देश विरोधी ताकतों के खिलाफ खड़ा होना होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा की सदस्यता अभियान कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपस्थित समर्पित कार्यकर्ताओं को सदस्यता अभियान की रणनीति एवं कार्यप्रणाली से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। सीएम शर्मा ने अभियान के दौरान सूर्यनगरी में अधिकाधिक नागरिकों को पार्टी से जोड़ने तथा सदस्यता में वृद्धि करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि इस अभियान के माध्यम से हम न केवल पार्टी की सदस्य संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि करें, अपितु जन-जन तक भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा एवं विकासोन्मुखी नीतियों का संदेश भी पहुंचाएं, ताकि प्रत्येक प्रदेशवासी राष्ट्र निर्माण में अपनी सार्थक और महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित कर सके। भाजपा के जोधपुर जिला सदस्यता अभियान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, सांसद पीपी चौधरी, विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर, जोगाराम पटेल, राज्य मंत्री केके विश्नोई, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, मुकेश दाधीच, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, विधायक छोटू सिंह भाटी, भैराराम चौधरी, बाबूसिंह राठौड़, देवेंद्र जोशी, पब्बाराम विश्नोई, हमीर सिंह भायल, जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, शहर विधायक अतुल भंसाली, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा, देहात जिलाध्यक्ष जगराम विश्नोई, प्रदेश मंत्री महेन्द्र कुमावत सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पाकिस्तान के हालात बांग्लादेश से ज्यादा खराब

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट होने के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या दक्षिण एशिया के इस क्षेत्र में तीसरी बार भी ऐसी घटना होगी? क्या अगला नंबर पाकिस्तान का है? यह सवाल सोलह आना खरा इसलिए है क्योंकि इस समय पाकिस्तान के हालात काफी खराब हैं और वहां पर सरकार के खिलाफ कई आंदोलन चल रहे हैं। पाकिस्तान अनेक भीषण चुनौतियों और संकटों से जूझ रहा है। पाकिस्तान के अंदर जिस तरह के विरोध प्रदर्शन और आंदोलन चल रहे हैं, उससे आभास होता है कि वहां भी सरकार के खिलाफ विद्रोह भड़कने की कगार पर है।

यह बात इसलिए दावे के साथ कही जा सकती है क्योंकि बांग्लादेश की तरह पाकिस्तान में भी तख्तापलट का इतिहास रहा है। रावलपिंडी में जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व में हजारों लोग बेरोजगारी व महंगाई के विरोध में सड़कों पर उतर कर शहबाज शरीफ को धमका रहे हैं कि उनका हश्र हसीना से बुरा होगा। दरअसल, पाकिस्तान स्टूडेंट फेडरेशन (पीएसएफ) ने 30 अगस्त तक पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रिहा करने की मांग की है। स्टूडेंट फेडरेशन ने पाकिस्तान की सरकार को अल्टीमेटम जारी किया। छात्रों की मांग है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बेगुनाह हैं और जल्द उनको कैद से बाहर निकाला जाए। यहां पर भारत के दो पड़ोसी देशों में हुई दो घटनाओं की चर्चा उचित होगी। पहली घटना 8 जुलाई 2022 की है। श्रीलंका सरकार ने इसी तारीख को ऐलान किया था कि देश दिवालिया हो गया। जिसके बाद हजारों की संख्या में श्रीलंकाई सड़कों पर उतर आए। कोलंबो में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के भवन को घेर लिया। गोटबाया को देश छोड़ कर भागना पड़ा था। दूसरी घटना है 5 अगस्त 2024 की है जब बांग्लादेश में दो महीने से जारी आरक्षण विरोधी आंदोलन बेकाबू हो गया। भारी आगजनी, हिंसा और तोड़फोड़ करते प्रदर्शनकारी पीएम हाउस में घुस गए। पीएम शेख हसीना ने इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में पहले भी सरकार के तख्तापलट का इतिहास रहा है। वर्ष 1958 में पाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति मेजर जनरल इसकंदर मिर्जा ने पाकिस्तानी सांसद और प्रधानमंत्री फिरोज खान नून की सरकार को भंग कर दिया था। इसके साथ ही उन्होंने देश में मार्शल लॉ लागू कर आर्मी कमांडर इन चीफ जनरल अयूब खान को देश की बागडोर सौंप दी थी। महज 13 दिन बाद ही अयूब खान ने तख्तापलट करते हुए देश के राष्ट्रपति को पद से हटा दिया था। पाकिस्तान का दूसरा तख्तापलट आर्मी चीफ जनरल जिया उल हक द्वारा किया गया था। जिया उल हक ने 4 जून 1977 को देश के प्रधानमंत्री जुल्फीकार अली भुट्टो को पद से हटा दिया था। इस तख्तापलट को 'ऑपरेशन फेयर प्ले' के नाम से भी जाना जाता है। इसी तरह से पाकिस्तान में तीसरी बार सरकार का तख्तापलट 1999 में आर्मी चीफ परवेज मुशर्रफ ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार का तख्तापलट किया था।

पिछले कुछ समय से पाकिस्तान में उथल-पुथल चल रही है लेकिन बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद पाकिस्तान में लोगों का असंतोष चरम पर पहुंच गया है। रावलपिंडी शहर के मुख्य केंद्र मुर्री रोड पर सड़क को बंद करके जमात-ए इस्लामी का धरना चल रहा है, जहां हजारों लोग बैठे हैं और मांग कर रहे हैं कि शहबाज शरीफ सरकार बेरोजगारी, मुद्रास्फीति का तत्काल समाधान करे और विशेष रूप से नागरिकों के बिजली बिलों में वृद्धि को कम करे। इस बीच बलूचिस्तान के एकमात्र बंदरगाह शहर ग्वादर सहित कई अन्य शहरों में पिछले दो हफ्ते से धरना-प्रदर्शन जारी है। रावलपिंडी के विरोध प्रदर्शन के विपरीत बलूचिस्तान में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें भी देखी गई हैं, जहां गोलीबारी में कई लोग मारे गए, दर्जनों घायल हुए और कई लोगों को सरकारी एजेंसियों द्वारा उठा लिया गया। इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व एक युवा बलोच महिला डॉ. महरंग बलोच कर रही हैं, जो मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं। इसके अलावा बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी बलूचिस्तान को अलग देश बनाने की मांग करती रही है।

उत्तरी इलाकों में भी लोग पिछले कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने काराकोरम हाईवे को जाम कर दिया है, जो खुंजराब दर्रे के माध्यम से पाकिस्तान को चीन से जोड़ रहा है। वे संघीय राजस्व बोर्ड और पाकिस्तान सीमा शुल्क के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में व्यापारियों पर कर लगाया है। पाकिस्तान से चीन जाने के इच्छुक कई विदेशी भी यहां फंस गए हैं और उन्हें प्रदर्शनकारियों के साथ बैठे देखा जा सकता है। वास्तविकता यह है पाकिस्तान के हर हिस्से में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। यही नहीं, सिंध प्रांत और पाक अधिकृत कश्मीर में पहले से पाकिस्तानी शासकों द्वारा भेदभाव करने के चलते असंतोष चरम पर है। दूसरी ओर पाकिस्तान फिलहाल भारी आर्थिक संकट से जूझ रहा है और नकदी की कमी के कारण उसे भुगतान संकट का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने पाकिस्तान ने सात अरब डॉलर कर्ज की मांग की है। लेकिन कर्ज को लेकर आईएमएफ की कुछ कठिन शर्तें भी हैं, जो पाकिस्तान को पूरी करनी होंगी। पाकिस्तान के लिए डगर बेहद जटिल है। कहने का आशय है कि भारत के आतंरिक मामलों में हमेशा टांग अड़ाने वाला पाकिस्तान बदहाली के ऐसे नासूर से जूझ रहा, जो कभी भी उसको तबाही के आगोश में ले सकता है। हालांकि अगर ऐसा होता है तो भारत के लिए अच्छा नहीं होगा क्योंकि पाकिस्तान का पतन होने के बाद चीन अपना शैतानी पंजा इस क्षेत्र में बढ़ाएगा जिसको तहस-नहस करने के लिए भारत को पहले ही तैयारी कर लेनी चाहिए।

श्रीकृष्ण हैं सृष्टि के महानायक और मैंनेजमेंट गुरु

ललित गर्ग

भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण महानायक एवं मैंनेजमेंट गुरु हैं। श्रीकृष्ण का चरित्र एक प्रभावी एवं सफल मैंनेजमेंट गुरु वाले लोकनायक का चरित्र है। वह द्वारिका के शासक भी है किंतु कभी उन्हें राजा श्रीकृष्ण के रूप में संबोधित नहीं किया जाता। वह तो ब्रजनंदन है। कुशल प्रबंधन सोच के कारण ही समाज एवं राष्ट्र व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए- इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश-भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय-संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युवावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे किंतु सरल-निश्छल ब्रजवासियों के लिए तो वह रास रचैया, माखन चोर, गोपियों की मटकी फोड़ने वाले नटखट कन्हैया और गोपियों के चितचोर थे। गीता में इसी की भावाभिव्यक्ति है- हे अर्जुन! जो भक्त मुझे जिस भावना से भजता है मैं भी उसको उसी प्रकार से भजता हूं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत-नया भारत निर्मित कर रहे हैं। सही प्रबंधन के बिना किसी भी कार्य से श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त नहीं किये जा सकते। जिस तरह जीवन के प्रत्येक कार्य में सुनिश्चित सफलता के लिये सही प्रबंधन अति आवश्यक है, उसी तरह सही ढंग से जीने एवं सार्थक जीवन के लिये भी सही प्रबंधन जरूरी है। श्रीकृष्ण ने मैंनेजमेंट गुरु की भूमिका निभाते हुए सफल एवं सार्थक जीवन जीने के प्रबंधन सूत्र दिये, जो सदियों से सम्पूर्ण मानवजाति का पथ-दर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण के प्रबंधन नीति की खासियत यह है कि उनकी भावना और विवेक एक दूसरे का पूरक है। मैनेजमेंट गुरु श्रीकृष्ण का वह व्यावहारिक कौशल ही था कि अत्याचारी कंस को सबसे पहले

आर्थिक रूप से कमजोर किया गया और फिर उसका वध किया। पूरे महाभारत युद्ध के दौरान कहीं भी श्रीकृष्ण उहापोह की स्थिति में नजर नहीं आये। एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों, विशेषताओं एवं कौशल का समावेश तभी हो सकता है, जब वह प्रबंधन में निष्णात हो। श्रीकृष्ण एक ऐसा ही आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे।

भगवान श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट मंत्र के अनुसार श्रेष्ठ व्यक्ति को हमेशा अपने पद और गरिमा के अनुसार ही व्यवहार या आचरण करना चाहिए। क्योंकि वह लोगों के लिए आदर्श हैं और वो जैसा करेंगे लोग भी वैसा ही अनुसरण करेंगे। कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो गीता के उपदेश दिये थे, वे मैंनेजमेंट अमरसूक्त हैं। मोहवश अर्जुन ने हथियार त्याग दिए थे, तब गीता के उपदेशों के जरिये ही भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्मानुसार कर्म करने की प्रेरणा दी। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण ने जो उपदेश दिए थे, इनमें मैनेजमेंट के सूत्र छिपे हुए हैं। इस सूत्रों को समझकर कोई भी इंसान अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलावों से उन्नति कर सकता है। श्रीकृष्ण के अनुसार जिस मनुष्य के मन में किसी प्रकार की इच्छा या कामना होती है, उसे कभी सुख शांति प्राप्त नहीं होती। इसलिए सुख-शांति हासिल करने के लिए इंसान को सबसे पहले अपनी इच्छाओं का त्याग करना होगा। हम कर्म के साथ उसके आने वाले परिणाम के बारे में सोचते हैं जो हमें कमजोर बनाता है। लेकिन हमें परिणाम की चिंता न करके अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, जिससे हम अपने कर्तव्य का पालन कर सकें, यह प्रबंधन का आदिसूत्र हैं।

श्रीकृष्ण का प्रशासनिक एवं राजनीतिक चरित्र अत्यन्त अलौकिक है, उनके समग्र विचार दर्शन का संक्षेप में केवल एक संदेश है- कर्म। कर्म के माध्यम से ही समाज की अनिष्टकारी प्रवृत्तियों का शमन करके उनके स्थान पर वरेण्य प्रवृत्तियों को स्थापित करना संभव होता है। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व असीम करुणा से परिपूर्ण है। लेकिन अनीति और अत्याचार का प्रतिकार करने वाला उनसे कठोर व्यक्ति शायद ही कोई मिले। जो श्रीकृष्ण अपने से प्रेम करने वाले के लिए नंगे पांव दौड़े चले जाते थे, वही श्रीकृष्ण दुष्टों को दण्ड देने के लिए अत्यंत कठोर और निर्मम भी हो जाते थे। कब प्रेम करना और कब घृणा, कब कठोर होना और कब करुणामय- यह उचित प्रबंधन से ही संभव है। भगवान श्रीकृष्ण से प्रेम के साथ-साथ जीवन के सबसे खराब दौर में कैसे अच्छा परिणाम पाएं इसका गुण भी हम लोग सीख सकते हैं। अपने जन्म से लेकर लीला समाप्ति तक, अपने पूरे अवतार के समय तक श्रीकृष्ण ने कई संघर्षों को सुलझाया और देखा भी। परिस्थिति को अपने अनुकूल बनाने की कला सिर्फ श्रीकृष्ण में ही थी। श्रीकृष्ण का यह प्रबंधन कौशल एवं समय-नियोजन ही था कि उन्होंने 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। श्रीकृष्ण ने वैदिक कलाओं के साथ-साथ दूसरी कलाएं भी सीखी थीं। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिससे आपके व्यक्तित्व का रचनात्मक विकास हो। श्रीकृष्ण ने 64 कलाओं के साथ-साथ संगीत, नृत्य व युद्ध की भी कला भी सीखी थी। एक बार पांडवों के राजसूय यज्ञ में शिशुपाल श्रीकृष्ण को अपशब्द कहता रहा। वह छोटा भाई था, लेकिन बोलते-बोलते उसने सारी मर्यादाएं तोड़ दीं। सभा में मौजूद सभी लोग क्रोधित थे लेकिन श्रीकृष्ण शांत थे और मुस्कुरा रहे थे। एक बार श्रीकृष्ण शांति दूत बनकर दुर्योधन के पास गए तो उसने श्रीकृष्ण का बहुत अपमान किया। श्रीकृष्ण शांत रहे। इसलिए अगर हमारा दिमाग स्थिर है और मन शांत है तभी हम कोई सही निर्णय ले पाएंगे। गुस्से में हमेशा नुकसान होता है। उचित प्रबंधन के माध्यम से हम यह सीख सकते हैं और श्रीकृष्ण इसके प्रयोक्ता थे।

श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पर्याय है। उनके आदर्शों के माध्यम से ही विश्व ने भारत को जाना है। उनके आदर्शों की पुनर्प्रतिष्ठा से विश्व फिर से भारत को जानेगा। राजनैतिक सूक्ष्म दृष्टि, दुष्टों, राष्ट्रद्रोहियों, अपराधियों एवं भ्रष्टाचारियों का दलन, वचन पालन का संकल्प, राष्ट्रहितार्थ आत्मसमर्पण का व्रत, निष्पाप लोगों की मुक्ति, विषमताओं का उन्मूलन, विभेदों में सामंजस्य, परस्पर शत्रुता का निवारण, स्वयं स्वीकृत आत्मसंयम, राष्ट्र कार्यों में सबका सहयोग, राजसत्ता पर धर्मसत्ता का अंकुश और इन सबकी पूर्ति के लिए सत्ता का भी त्याग इत्यादि श्रीकृष्ण के प्रबंधन-गुण भारत के राष्ट्रीय जीवन एवं सांस्कृतिक मूल्य हैं। वास्तव में श्रीकृष्ण उस कोटि के चिंतक थे, जो काल की सीमा को पार कर शाश्वत और असीम तक पहुंचता है। जब-जब अनीति बढ़ जाती है, तब-तब श्रीकृष्ण जैसे राष्ट्रनायक को अवतीर्ण होना पड़ता है। जैसा कि स्वयं श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है- यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। अर्थात अन्याय के प्रतिकार के लिए ही राष्ट्रनायक को जन्म लेने की आवश्यकता पड़ती है।

श्रीकृष्ण अनेक प्रबंधन विशेषताओं के समवाय थे, वे ग्रामीण संस्कृति के पोषक बने हैं। उन्होंने अपने समय में गायों को अभूतपूर्व सम्मान दिया। वे गायों एवं ग्वालों के स्वास्थ्य, उनके खान-पान को लेकर सजग थे। उन्होंने जहां ग्वालों की मेहनत से निकाला गया माखन और दूध-दही को स्वास्थ्य रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया वही इन अमूल्य चीजों को 'कर' के रूप में कंस को देने से रोका। वे चाहते थे कि इन चीजों का उपभोग गांवों में ही हो। श्रीकृष्ण का माखनचोर वाला रूप दरअसल निरंकुश सत्ता को सीधे चुनौती तो था ही, लेकिन साथ ही साथ ग्रामीण संस्कृति को प्रोत्साहन देना भी था। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव-जन्माष्टमी पर आज भारत का निर्माण उनकी शिक्षाओं, जीवन-आदर्शों, प्रबंधन-कौशल एवं सिद्धान्तों पर करने की अपेक्षा है, तभी हिन्दू सशक्त होंगे, तभी भारत सही अर्थों में हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा।

मानवीय संघर्ष और अस्तित्व की गहराइयों के चितेरे हैं शेखर

महेश मिश्र

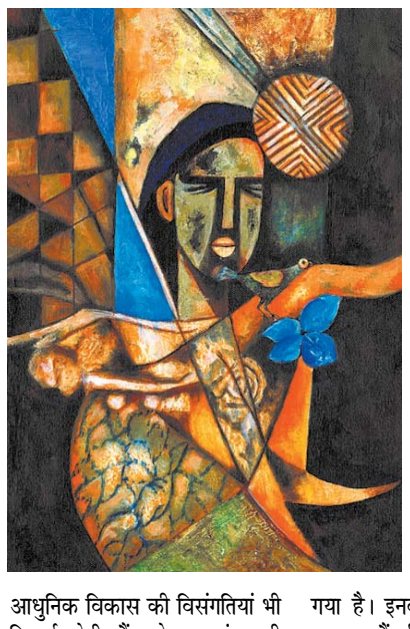

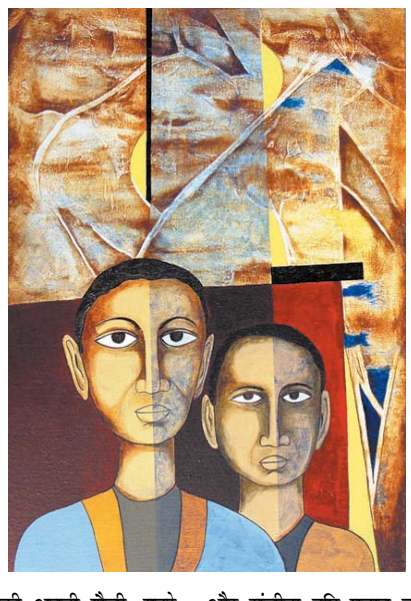

कला कर्म के प्रति गहरी निष्ठा रखने वाले कलाकार और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शेखर की एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान है। मधुपुर से उनका गहरा जुड़ाव है। वे बिहार के भागलपुर क्षेत्र की मंजूषा पेंटिंग को नया आयाम देने वाले सांस्कृतिक कार्यकर्ता और कलाकार हैं। वे झारखंड के अग्रणी वृत्तचित्र फिल्म निर्माताओं में से एक हैं और उनके नाम कई शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजार्थिक आधारित वृत्तचित्र फिल्में हैं। इन्होंने मंजूषा कला पर एक किताब भी लिखी है।

जगदीशपुर (भागलपुर) में जन्मे शेखर ने वहीं से फाइन आर्ट में शिक्षा हासिल की। अभियान, जुड़ाव और संवाद के माध्यम से मधुपुर और रांची को अपना कर्मक्षेत्र बनाया और नियमित रूप से लंबे समय से कला साधना कर रहे हैं। कल्पना को आकार देने के लिए रेखाओं और रंगों के माध्यम से कभी पेपर तो कभी कैनवास पर उसे जीवंत करते हैं। इनकी पेंटिंग में झारखंडी संस्कृति की झलक मिलती है। इनकी पेंटिंग में आधुनिक विकास की विसंगतियां भी दिखाई देती हैं। ये झारखंड की स्वदेशी कला परंपराओं को जगह देते हैं, जो इन्हें और कलाकारों से अलग करता है। इनकी कला प्रतिरोध का शस्त्र भी रचता है। वह आनंदित ही नहीं करता, उद्वेलित भी करता है, सजग भी करता है। शेखर की कलाकृतियां गतिशील और अमूर्त रचना है, जिसमें रेखाओं, रंगों और जटिल पैटर्न का समृद्ध उपयोग किया गया है। इनकी अनूठी शैली, गहरे कथ्य, सौंदर्यबोध, प्रतीकवाद और भावनात्मक प्रभाव का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

शेखर की शैली में रेखाओं और रंगों का गहरा तालमेल देखा जा सकता है। इनके रेखाचित्रों में रेखाओं का जटिल और सूक्ष्म प्रयोग होता है। शेखर की शैली में काले और सफेद रंगों का प्रमुखता से उपयोग किया जाता है, जो चित्रों को एक गहरी और संजीदा दृष्टि प्रदान करता है। उनकी रेखाएं बेहद साफ और शुद्ध होती हैं, जो उनके चित्रों को एक विशेष और अनोखा स्पर्श देती हैं। दूसरी ओर, उनकी पेंटिंग्स में रंगों का जीवंत प्रयोग दिखाई देता है, जिसमें एक्रिलिक पेंट से बनी आकृतियों और रंगों का संयोजन इन्हें विशिष्टता प्रदान करता है। इनके चित्रों में एक खास किस्म का पैटर्न्स और टेक्सचर का प्रयोग भी देखने को मिलता है। चित्रों में चित्रित चेहरे आपस में संवाद करते दिखाई देते उनकी शैली में आधुनिकता और पारंपरिकता का संगम देखा जा सकता है, जहां वे पारंपरिक भारतीय कला रूपों का आधुनिक परिप्रेक्ष्य में पुनरुत्थान करते हैं। शेखर की रचना मानवीय संघर्ष और अस्तित्व की गहरी और प्रभावशाली व्याख्या प्रस्तुत करती है। रंगों, आकृतियों और रेखाओं का उपयोग कर कलाकार ने जीवन के विभिन्न पहलुओं को बेहद संवेदनशीलता और गहराई से चित्रित किया है। उनकी रचनाओं का कथ्य अक्सर प्रकृति, समाज, पर्यावरण और मानव मनोविज्ञान के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हैं। उनके चित्रों में पेड़-पौधे, पत्तियाँ, फूल, और प्राकृतिक दृश्य देखे जा सकते हैं, जो जीवन की सजीवता और उसकी अनंतता को दर्शाते हैं तथा दर्शकों को जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है, चाहे वह जीवन की सरलता हो या उसकी जटिलताएं।

शेखर का सौंदर्यबोध उनके चित्रों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है। उनकी कला में रेखाओं की शुद्धता और उनकी प्रवाहमानता चित्र को अत्यंत आकर्षक और प्रभावशाली बनाती है। चित्रों में जटिलता के बावजूद एक सरलता और सादगी दिखाई देती है, जो दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित करती है। उनके रेखाचित्रों में रेखाओं का प्रवाह और उनकी विभिन्नता अद्वितीय सौंदर्य प्रस्तुत करती हैं। सरल, सहज और हंसमुख शेखर सामाजिक कार्यकर्ता और कलाकारों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

जन्माष्टमी पर विशेष : किस रंग के पहनें वस्त्र और किस समय करें पूजा

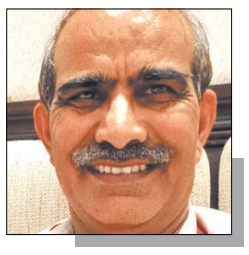

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रात 12 बजे के समय श्रीकृष्ण ने कंस का अंत करने के लिए ही धरती पर जन्म लिया था। तभी से उनके जन्मदिन को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है। इस बार पंचांग के अनुसार, भाद्रपद कृष्ण अष्टमी के दिन सुबह 5 बजकर 55 मिनट से 7 बजकर 36 मिनट तक अमृत चौघड़िया रहने वाला है। ये योग पूजा के लिए शुभ है। इसके बाद अमृत चौघड़िया पूजन का मुहूर्त 3 बजकर 36 मिनट 6 बजकर 48 मिनट तक है। निशीथ काल में भी आप पूजा कर सकते हैं, जो रात में 11 बजकर 44 मिनट से 12 बजकर 1 मिनट तक है।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर भक्तों में प्राचीन काल से अलग ही उत्साह और धूम देखने को मिलती है। इस दिन भक्त सच्चे मन से भगवान की पूजा-अर्चना कर उनके नाम का उपवास रखते हैं। रात्रि में जन्मकाल के समय भगवान को स्नानादि करा छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाता है। इसके बाद श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा की जाती है।

वैसे तो भगवान श्रीकृष्ण न केवल हमारे पूज्य देव हैं बल्कि उनकी शिक्षा और उनका दिखाया मार्ग समाज जीवन के लिए बहुत उपयोगी है। महाभारत के युद्ध के समय कुरूक्षेत्र की रणभूमि में दिया गया उनका संदेश विश्वभर के लिए एक जीवन विधा और नीति शास्त्र है, जिसे हम सब श्रीमद्भगवद् गीता के नाम से जानते हैं या गीता का संदेश कहते हैं। इसमें धर्म, अध्यात्म, ज्ञान, योग, कर्म आदि सब प्रकार की शिक्षा दी गई है। वस्तुतः गीता कोई धर्म ग्रन्थ नहीं बल्कि एक जीवन दर्शन है। यहां उस ज्ञान की चर्चा न करके केवल भक्ति भाव से श्रीकृष्ण को अपना सखा मानने वाली भावना से उनके चरित्र और उनकी आराधना का वर्णन कर रहे हैं।

इस बार जन्माष्टमी पर चंद्रमा वृषभ राशि में ही विराजमान रहेंगे। माना जाता है कि जब कृष्ण भगवान का जन्म हुआ था तब भी ऐसा ही योग बना था। इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सोमवार को मनाई जा रही है। सोमवार के दिन ही भगवान कृष्ण का नामकरण हुआ था। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग भी बन रहा है।

जन्माष्टमी भले ही रंगों का त्यौहार न हो, लेकिन इस दिन अलग-अलग रंग के कपड़ों का अलग महत्व होता है। कुछ रंगों के कपड़ों को पहनना बहुत शुभ माना जाता है। कुछ रंग तो भगवान श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय रहे हैं और इन रंगों को पहनने से व्यक्ति को मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति की प्राप्ति होती

है। वैसे तो त्योहार के दिन किसी भी हल्के रंग के कपड़ों को पहनना शुभ माना जाता है, मगर कुछ रंगों का चयन अत्यंत लाभकारी होता है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपने मन में श्रद्धा और भक्ति रखकर अपने कपड़ों के लिए मन-मुताबिक रंग का ड्रेस खरीद सकते हैं। गुलाबी रंग प्रेम और सुख का प्रतीक है। इस रंग को शुक्र ग्रह से भी जोड़कर देखा जाता है। जन्माष्टमी के दिन गुलाबी रंग के कपड़े पहन सकते हैं ,जो जीवन में प्रेम और सुख-समृद्धि का प्रतीक है। जन्माष्टमी के त्योहार के लिए लाल रंग को बेहद शुभ माना जाता है। लाल रंग ऊर्जा और साहस का प्रतीक भी माना जाता है। लाल रंग को मंगल ग्रह से भी जोड़ कर देखा जाता है। ऐसे में इस साल कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार पर लाल रंग के कपड़े पहनते हैं तो जीवन में भी अकूत उत्साह और ऊर्जा की वृद्धि होगी। पीला रंग भगवान विष्णु का प्रिय रंग है, धार्मिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण उन्हीं के अवतार हैं। ऐसे में अगर जन्माष्टमी के दिन पीले रंग के कपड़े पहनते हैं तो जीवन में खुशियां और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही भगवान कृष्ण की विशेष कृपा बनी रहती है। सफेद रंग शांति का प्रतीक है और इसे चंद्रमा से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में सफेद रंग के कपड़े पहने तो जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बढ़ती है। नीला रंग को सीधे तौर पर भगवान श्रीकृष्ण से जोड़कर देखा जाता है। नीले रंग का कपड़ा पहनने से मानसिक शांति मिलती है, साथ ही जीवन की अन्य परिस्थितियों में भी संतुलन बना रहता है। हरे रंग को हरियाली से जोड़कर देखा जाता है। साथ ही हरे रंग को खुशहाली का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में जन्माष्टमी के दिन अगर आप हरे रंग का कपड़ा पहते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा हमेशा बनी रहती है।

जन्माष्टमी पर लाखों कृष्ण भक्त मंदिर में ठाकुरजी के बाल रूप के दर्शन करने पहुंचते हैं। मथुरा और वृंदावन में तो जन्माष्टमी की धूम रहती है। जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का प्रतीक है, जो अधर्म पर धर्म की विजय और प्रेम, भक्ति, और ज्ञान का संदेश देता है। जन्माष्टमी पर सबसे प्रिय और सर्वत्र गाया जाने वाला गान है,"नन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की।"

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, जन्माष्टमी के उत्सव की शुरुआत 26 अगस्त को सुबह 5.30 बजे मंगला आरती से होगी। इसके बाद, सुबह 8.00 बजे भगवान का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। रात्रि 11.00 बजे से मुख्य कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा, जिसमें श्रीकृष्ण के जन्म की महाआरती का आयोजन विशेष आकर्षण होगा। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों को भव्य रूप से सजाया गया है, जिससे श्रद्धालु यहां आकर आस्था और भक्ति के वातावरण में डूब सकें।

वृंदावन, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली कहा जाता है, में जन्माष्टमी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा। वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होगा। बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी के दिन ही विशेष मंगला आरती की जाती है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। जन्माष्टमी की रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का बाला महाभिषेक किया जाएगा, जो कि करीब 2 घंटे तक चलेगा। यह अभिषेक केवल एक बार, इसी दिन किया जाता है। इसके बाद ठाकुर जी को पीतांबरी पोशाक और चिरौंजी मेवे से बनी पंजीरी का भोग लगाया जाएगा। इस महाभिषेक और मंगला आरती को देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ेगी, जिससे पूरे वृंदावन का वातावरण भक्तिमय हो जाएगा।

(लेखक, आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

अजमेर जिले की श्रीनगर थाना पुलिस ने चोरी के मामले में मोग्या गैंग के तीन आरोपियों किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको जेल भेज दिया गया,पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार बाइक बरामद की थी और आरोपियों ने अन्य चोरी की वारदातें भी कबूल की थी ,श्रीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि श्रीनगर पुलिस की ओर से गिरफ्तार मौग्या गैंग के तीन वाहन चोरो को पुलिस ने रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद अजमेर न्यायालय में पेश किया,जहा न्यायाधीश के आदेश पर उन्हे केंद्रीय कारागृह भेज दिया गया। गौरतलब है कि श्रीनगर थाने की स्पेशल गठित पुलिस टीम ने मोग्या गैंग के टोरडी मालपुरा निवासी राजेंद्र उर्फ राजू 25 पुत्र बद्री बावरी ,केकड़ी निवासी शंकर लाल 25 पुत्र शिवराज ,केकड़ी निवासी लक्ष्मण पुत्र शिवराज बावरी को अलग-अलग समय पर गिरफ्तार कर उनकी निशान देही पर अलग-अलग जगह से चोरी की चार बाइक बरामद की थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को रिमांड अवधि के दौरान सख्ती से पूछताछ की जिसमें तीनों आरोपियों ने ग्राम कानपुरा उप स्वास्थ्य केंद्र से पंखे चोरी करने व ग्राम दांता के पहाड़ी पर स्थित शिव मंदिर में दान पत्र से रुपए चोरी करना कबूल किया ।मंदिरों के दान पत्र से रुपए चोरी करने के मामले में तीनों को जेल से फिर गिरफ्तार किया गया। बाद में तीनों को कोर्ट में पेश किया जहां से उनको जेल भेज दिया गया।।अभियुक्त गण मोग्या बावरी गैंग के सक्रिय सदस्य हैं ।जो दिन के समय रैकी करके रात्रि के समय मंदिर के दान पात्रों सुने मकानो में चोरी कर लेते हैं ।तथा मोटरसाइकिलों को मास्टर चाबी से चोरी कर सस्ते दामों पर बेचान कर देते हैं। आरोपियों ने कानपुरा गांव में रात्रि के समय उप स्वास्थ्य केंद्र से पंखे और अन्य सामान चोरी करना ।ग्राम दाता,श्रीनगर के पास पहाड़ी पर स्थित शिव मंदिर के दान पत्र से रूपयो की चोरी करना ।अजमेर रोड पीर बाबा के पास केकड़ी में एक डीलक्स बाइक चोरी करना ।पुरानी टोंक के पास किसी फार्म हाउस से एक मोटरसाइकिल हीरो एचएफ डीलक्स चोरी करना। बालाजी मंदिर बिजवाड़ा नासि-रदा जिला टोंक में दान पात्र को चोरी करने का प्रयास करना ।सापुन्दा रोड केकड़ी शहर से दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी करना कबूल किया है। मुलजिम राजेंद्र उर्फ राजू उर्फ राजेश टरड़ा के डिग्गी दूदू ,मालपुरा ,केला देवी ,उद्योग नगर ,राजलदेसर ,श्रीनगर थाने में करीब 15 मामले दर्ज हैं। लक्ष्मण बावरी के दो तथा शंकर बावरी के एक मामला दर्ज है। आरोपियों को गिरफ्तार करने में शामिल टीमों में थाना अधिकारी जसवंत सिंह ,सहायक उप निरीक्षक श्रवण लाल, विशेष योगदान में कांस्टेबल रामचरण ,जयदेव धारूलाल,, तथा कांस्टेबल महेंद्र पाल ,रामजीलाल ,प्यारेलाल , इंद्र सिंह शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी का स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

चमकता राजस्थान। जयपुर। जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी का स्नेह मिलन कार्यक्रम होटल शिव पैलेस में आयोजित किया गया,जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आर आर तिवाड़ी के सानिध्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। आयोजित कार्यक्रम में संगठन की मज़बूती और आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई,कार्यक्रम में जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गण,महासचिव गण हाजी उस्मान ख़ान,राम फूल मीणा,सीता राम शर्मा(नेहरू) उपस्थित रहे,कार्यक्रम का संचालन विक्रम सिंह पंवार (महासचिव)ने किया,अन्त में शिवराज सिंह शेखावत (उपाध्यक्ष)ने सभी का आभार प्रकट किया।

शर्मा हुई उपखंड स्तर पर सम्मानित

चमकता राजस्थान /श्रीनगर रघुनन्दन पारीक। श्रीनगर पंचायत समिति के अधीन ग्राम पंचायत श्रीनगर की ग्राम विकास अधिकारी सुनीता शर्मा को उपखंड स्तर पर सम्मानित किया गया श्रीनगर वासियों एवं प्रशासन ने दी बधाई।
तालाब के जीर्णोधार के लिए एक करोड़ 60 लाख की राशि स्वीकृत चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक श्रीनगर/नसीराबाद। ग्राम पंचायत साप्रोंदा तालाब के जीर्णोधार के लिए नसीराबाद विधायक रामसवरूप लांबा ने जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत से अनुशंसा की, गांव की सरपंच सुप्यार देवी ने बताया कि तालाब के लिए एक करोड़ 60 लाख की राशि स्वीकृत की गई है,उन्होंने बताया की बारिश से गांव के मधोलाव ,धाचोलाव तालाब की पाल शतिग्रस्त होने से गांव में पानी घुस गया, जिससे बाढ़ के हालत बन गए,राजस्व गांव मोराझडी , केरिया खुर्द,रघुनाथ पूरा , साप्रोदा की गिरदावरी करवाने,और सड़क ठीक कराने की मांग की जिसपर विधायक साहब ने जल्द निवारण का आश्वासन दिया।

दीया कुमारी ने किशनगढ़ में सुनी प्रधानमंत्री मोदी की "मन की बात"

चमकता राजस्थान। जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किशनगढ़ में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' कार्यक्रम के 113वें एपिसोड को सुना। इस अवसर पर उन्होंने ट्वीट कर कहा कि यह कार्यक्रम हमेशा की तरह प्रेरणादायक और विचारशील रहा, जिसने सैकड़ों कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है।

तलछेरा में दो दिवसीय देव बाबा मेले का आयोजन

- **भरतपुर सांसद संजना जाटव ने भाग लेते हुए की विधिवत पूजा अर्चना**

चमकता राजस्थान। नदबई,(राजवीर सिंह)। गांव तलछेरा में दो दिवसीय देवबाबा हीरामन बाबा मेले का आयोजन हुआ। जिसमें भरतपुर सांसद संजना जाटव ने हिस्सा लेते हुए विधिवत पूजा अर्चना की। इससे पहले मेला कमेटी सदस्य व ग्रामीणों ने माला व शॉल भेंटकर भरतपुर सांसद का अभिनंदन किया। बाद में सांसद ने ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं पर चर्चा करते हुए समस्या समाधान करने का हरसंभव प्रयास करने को कहा। समारोह में रागिनी कम्प्टीशन का आयोजन हुआ। जिसमें हरेन्द्र नागर, प्रीति चौधरी, पिंकी शर्मा, कशिश चौधरी सहित आधा दर्जन से अधिक कलाकारों ने जयघोषत के बीच भजनों की प्रस्तुति करते हुए श्रद्वालुओं को थिरकने पर मजबूर कर दिया। बाद में श्रद्वालुओं ने विधिवत पूजा अर्चना कर खीर का भोग लगाते हुए परिवार में खुशहाली की कामना की। वही, मेला कमेटी सदस्यों की ओर से प्रसादी वितरित की गई। समारोह में मन्दिर महंत प्रहलाद गोटिया, पीपलखेड़ा प्रधान गोपाल गुर्जर, पंचायत समिति सदस्य महेन्द्र मीणा, सरपंच श्रीचंद जाटव, पप्पूराम विधूडी,उप सरपंच रामे गुर्जर, कुलदीप गुर्जर, भोवल गुर्जर सहित महिला श्रद्वालू मौजूद रही।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर खेल सप्ताह आज से

सभी खिलाड़ियों को फिट इंडिया की शपथ भी दिलाई जायेगी

चमकता राजस्थान

जयपुर। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के जन्म दिवस के उपलक्ष में पहली बार खेल सप्ताह पूरे प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है। खेल सप्ताह का आयोजन राजस्थान सरकार के युवा मामले एवं खेल विभाग, शिक्षा विभाग, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद आदि द्वारा किया जा रहा है।
राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव सोहनराम चौधरी ने बताया कि आम जनता की खेलों में भागीदारी बढ़ाने व देश में खेल व फिटनेस कलचर स्थापित करने के उद्देश्य से खेल सप्ताह का आयोजन प्रदेश भर में 26 से 31 अगस्त तक व्यापक व ग्रासरूट लेवल तक किया जा रहा। सोमवार को प्रदेश भर में हज़ारों खिलाड़ी इस आयोजन में भाग लेंगे।
उन्होंने बताया कि जयपुर में सोमवार को चौगान स्टेडियम में प्रातः 7 बजे प्रभात फेरी के साथ खेल सप्ताह की शुरुआत होगी। प्रभात फेरी लंगर के बालाजी, नीमड़ी पुलिस चौराये से नाहरगढ़ रोड से राजा शिव दास जी का चौराहा होते हुये, गणगौरी बाजार चौराहे होते हुये चौगान स्टेडियम पहुचेगी। इससे पूर्व सभी खिलाड़ियों को फिट इंडिया की शपथ भी दिलाई जाएगी।
उन्होंने बताया कि इस छ दिवसीय कार्यक्रम की सभी ज़िलो व संभाग मुख्यालयों पर शुरुआत सोमवार प्रातः से होगी। इसी दिन शाम को 3 से 5 बजे तक खेल मैदानो को दुरूस्त करने के लिए खिलाड़ियों द्वारा श्रमदान किया जायेगा। प्रदेश के इतिहास में पहली बार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हज़ारों खिलाड़ी भाग लेंगे।

वीसीआर भरने से नाराज लोगों ने डिस्कॉम टीम पर किया हमला

जेईएन बागरैन बयाना ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में कराया मामला दर्ज

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह)। बयाना सदर थाना इलाके के कलसाड़ा रोड पर पापरी मोड़ के पास रहने वाले एक ही परिवार के करीब एक दर्जन लोगों द्वारा शनिवार को वीसीआर भरने से नाराज होकर डिस्कॉम की टीम से गाली गलौज करते हुए हाथापाई करने जा मामला सामने आया है, जिसको लेकर बागरैन (बयाना) जीएसएस के जेईएन ने सदर थाने में मारपीट, जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने, चोरी और राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज कराया है। जेईएन लोकेंद्र सिंह जाटव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि शनिवार को वे जीएसएस के कर्मचारी रामराज, सुनील कुमार और रामकुमार के साथ फील्ड में वीसीआर रेवेन्यू रिकवरी और पीडीसी/डीसी कनेक्शनों की जांच करने गया था। इस दौरान बिजली चोरी पाए जाने पर कुछ लोगों की वीसीआर भी भरी गई थी। जहां से शाम करीब 4 बजे सभी कर्मचारी साथ लौट रहे थे। इसी दौरान पापरी मोड़ पर नगला मोरजी मेढ़ेवारी निवासी एक ही परिवार के धर्मसिंह, वीरेंद्र, विष्णु, महेश, रोहिताश, जितेंद्र, गौरव, भीम सिंह, अनिल, लाखन ठाकुर आदि आए और उनको रोककर गाली गलौज करते हुए हाथापाई करने लगे। आरोपी टीम से वीसीआर भरने का टेबलेट और रिकवरी लिस्ट को छीनकर ले गए। सदर एसएचओ बलराम यादव ने बताया कि जेईएन की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सामाजिक कार्यकर्ता सुमित अंबेश को 5100 रुपए की राशि भेंट कर रा शि संघ अंबेडकर नदबई ने किया सम्मान

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर ब्लॉक नदबई द्वारा संत रविदास आश्रम नदबई में एक बैठक का आयोजन किया इसमें भरतपुर जिले में समाज सेवा में उभरता हुआ गरीब मजदूर किसान कमेरे वर्ग की आवाज उठाने वाला जनता की अदालत भीम आर्मी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सुमित अंबेश को उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों करने पर 5100 की राशि देकर एवं माल साफा पहनाकर सम्मानित किया गया इस मौके पर कैलाश दत्त ब्लॉक अध्यक्ष,वीरेंद्र सिंह महामंत्री, राजेंद्र प्रसाद मुंडोतिया, गौरी शंकर,महेंद्र सिंह प्रधानाचार्य, जयवीर, रोहिताश, विष्णु, केशव दत्त प्रधानाचार्य, रवि वर्मा, सहित अन्य समाज उपस्थित रहा।

डाक्टर दुष्कर्म-मर्डर केस:

सड़कों पर उतरे फिल्मी सितारें, आरोपियों के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

कोलकाता/एजेंसी। पश्चिम बंगाल मोशन पिक्चर आर्टिस्ट फोरम ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्या की घटना में पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए टॉलीगंज में विरोध प्रदर्शन किया और कोलकाता प्रशासन से जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। अभिनेता परमब्रत चटर्जी ने कहा कि 16 दिन बीत चुके हैं और इस दौरान कम से कम 5 अन्य बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। हम सभी जानते हैं कि बदलापुर, असम और मुजफ्फरनगर में क्या हुआ। मैं कोलकाता से हूं, इसलिए मैं कोलकाता प्रशासन से जवाबदेही की मांग करूंगा। आरजी कर घटना में शामिल सभी लोगों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। अभिनेता परमब्रत ने आगे कहा, 'बलात्कार का कारण बनने वाली मानसिकता में एक व्यवस्थित बदलाव की जरूरत है। जो लोग राजनीति करना चाहते हैं, वे ऐसा करेंगे। अगर प्रशासन यह कहना शुरू कर देता है कि सड×कों पर विरोध करने वाले सभी लोग राजनीति से जुड़े हैं, तो यह सही नहीं हैज हम यहां किसी राजनीतिक बैनर के तहत नहीं हैं। हम न्याय के लिए यहां हैं।'
पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के कथित यौन उत्पीड़न और हत्या के संबंध में शनिवार को रेजिडेंट डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के एक प्रतिनिधि डॉ. किंजल ने कहा कि उन्होंने मामले में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए सीबीआई से समय सीमा मांगी, लेकिन उन्होंने कहा कि समय सीमा निर्धारित करना संभव नहीं है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी राजस्थान उच्च न्यायालय के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित प्लेटिनम जुबली समारोह में हुई शामिल

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित प्लेटिनम जुबली समारोह में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में शामिल हुई।
इस अवसर पर उन्होंने ट्वीट कर कहा कि आपके प्रेरणादायक नेतृत्व में देश ने न्यायपालिका को सशक्त बनाने और न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी एवं सुलभ बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। यह समारोह न केवल हमारी न्यायिक प्रणाली की प्रगति का उत्सव है, बल्कि यह न्याय और लोकतंत्र के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करता है।
समारोह में महामहिम राज्यपाल हरी भाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संजीव खन्ना ,राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम.एम श्रीवास्तव,केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ,अन्य न्यायाधीश गण एवं अधिवक्ता गण व बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने बीपी मंडल की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

पटना। भूतपूर्व मुख्यमंत्री बीपी मंडल की जयंती पर राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। पटना के देशरत्न मार्ग एवं सर्कुलर पथ चौराहा स्थित आदम कद प्रतिमा के समीप जयंती के मौके पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, सूचना एवं जन सम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री रत्नेश सादा सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी पूर्व मुख्यमंत्री स्व बीपी मंडल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के कलाकारों ने आरती पूजन, भजन-कीर्तन एवं बिहार गीत का गायन किया।

यूपीएस की सौगात कर्मचारियों के सुरक्षित भविष्य के हक का ऐतिहासिक फैसला : प्रवीण

अररिया। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शासकीय कर्मचारियों को यूनिफाइड पेंशन स्कीम अर्थात यूपीएस की सौगात का निर्णय लाखों केंद्रीय कर्मचारी के कल्याण और सुरक्षित भविष्य के हक का ऐतिहासिक फैसला है।उक्त बातें भाजपा विधानसभा प्रभारी प्रवीण कुमार ने रविवार को कही। विधानसभा प्रभारी कुमार ने कहा कि मोदी सरकार का यह निर्णय देश की प्रगति के लिए कठिन परिश्रम करने वाले सभी सरकारी कर्मियों के गरिमा और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला है। उन्होंने बताया कि एकीकृत पेंशन योजना यूपीएस के माध्यम से केंद्र सरकार सरकारी कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन प्रदान करेगी, जिसमें 25 वर्ष की सेवा के बाद बेसिक सैलरी का 50 प्रतिशत पेंशन एवं 10 साल की सेवा पर भी दस हजार का पेंशन समेत कई अन्य सुविधाएं प्रदान करेगी।प्रवीण कुमार के साथ पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष सुनील मिश्रा,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष संदीप कुमार, राहिल खान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

पीएम के मन की बात में परिवारवाद की सियासत पर चोट

अररिया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के माध्यम से परिवारवाद की सियासत पर चोट की है। परिवारवादी राजनीति नई प्रतिभाओं का दमन करती है, इसलिए बिना पॉलिटिकल बैकग्राउंड वाले एक लाख युवाओं का पॉलिटिकल सिस्टम जुड़ने की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देश की दशा और दिशा बदलने में मिल का पत्थर साबित होगा। उक्त बातें भाजपा विधानसभा प्रभारी प्रवीण कुमार ने मन की बात कार्यक्रम के 113वें कड़ी को बूथ संख्या 146 पर सुनने के बाद रविवार को कही। मौके पर उनके साथ भाजपा जिला कोषाध्यक्ष रोहित यादव, भाजयुमो जिलाध्यक्ष आकाश राज, जिला महामंत्री दीपक मंडल, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल मौजूद रहे। इन भाजपा नेताओं ने बताया कि पीएम ने भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस ओर स्पेस टेक स्टार्टअप गेलेक्स आई की प्रगति शामिल है।उन्होंने वन्य जीव संरक्षण के लिए असम,अरुणाचल प्रदेश में सामुदायिक पहल की सराहना की और वेस्ट टू वेल्थ बनाने के अभिनव दृष्टिकोण के लिए मध्यप्रदेश के झाबुआ की भी सराहना की तथा खिलौना रिसाइक्लिंग के महत्व पर जोड़ दिया।

तालाब में डूबने से नाबालिग बच्चे की मौत

बिहारशरीफ। इस्लामपुर थानाक्षेत्र के कबई गाँव में रविवार की सुबह तालाब में डूबनें से 11 वर्षीय नाबालिग बच्चे की मौत हो गयी। मृतक बच्चे की पहचान इस्लामपुर प्रखंड अंतर्गत मलविगहा गाँव निवासी मो.ईकबाल के पुत्र सहनबाज के रूप की गयी है। परिजन नें बताया कि रविवार की सुबह अपने दोस्तों के साथ शौच के लिए तालाब की ओर गया था।ज्यौं ही तालाब में हाथ पैर धोने लगा वैसे हीं संतुलन खो जाने से वह तालाब की गहरे पानी मे चला गया और वह डूब गया। घटना को देख काम कर रहे मजदूरों नें इस आशय की सूचना ग्रामीणो को दी। मृतक के परिजन और ग्रामीणों के सहयोग से बालक का शव नदी में उपला हुआ देखकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना इस्लामपुर थाना पुलिस को दी।इस्लामपुर थाना पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर घटना की जायजा लेते हुए शव को अंतिम परीक्षण के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है।

निमार्णाधीन घर में चोरी के आरोप में दो चोर को 14 दिनों की जेल

सिलीगुड़ी। एनजेपी थाने की पुलिस ने एक चोरी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के नाम अयुस राउत और तपन दास हैं। पुलिस ने रविवार को दोनों आरोपितों को जलपाईगुड़ी अदालत में पेश किया। जहां सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में रखने का निर्देश दिया। सूत्रों के अनुसार, सिलीगुड़ी के पाइप लाइन इलाके में एक घर बनाया जा रहा है। जहां से दो ड्रिल मशीन समेत अन्य कई कीमती सामग्री चोरी हो गई थी। घटना के बाद एनजेपी थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत के आधार पर जांच में जुटी पुलिस ने आयुष राउत और तपन दास को शनिवार देर रात गिरफ्तार किया।

चोरी के चार मोटरसाइकिल के साथ चार चोर गिरफ्तार

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिले में बढी मोटरसाईकिल चोरी की घटना के बाद एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में गठित एसआईटी टीम ने चोरी के चार बाइक के साथ चार चोर को गिरफ्तार किया है। मामले में डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए 4 अभियुक्तों को चोरी किए गए 4 मोटरसाईकिल, 4 मोबाईल, मास्टर चाभी तथा नंबर प्लेट के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तो में अब्दुल्ला देवान जो कोटवा थाना क्षेत्र का रहने वाला है, मोटरसाईकिल चोरी गिरोह का मुख्य सरगना है जिसके द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में मोटरसाईकिल चोरी करने करवाने के साथ ही खरीद-बिक्री का कार्य किया जा रहा था।

इनके निशानदेही पर कोटवा थाना के सहयोग से चोरी का मोटरसाईकिल बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में राणा कुमार उम्र 18 वर्ष पिता सुरेन्द्र राय ग्राम बारा गोविन्द थाना चकिया, फिरोज आलम उम्र 20 वर्ष पिता जुमराती मियाँ ग्राम संवगिया वार्ड नं0-03 थाना गड़हिया ओपी, विधि विरूद्ध बालक नितेश कुमार उम्र करीब 16 वर्ष पिता सिकिन्द्र सहनी ग्राम बारा गोविन्द थांना चकिया,अब्दुल्ला देवान पिता स्व० कलामुदीन देवान ग्राम जसौली टोला फकरीना थाना कोटवा है फिरोज आलम एवं नितेश कुमार का अपराधिक इतिहास पहले दोनो पर मधुबन थाना कांड संख्या-538/22 दिनांक-16.12.22 धारा-413/414/34 भा०द०वि०दर्ज है। इन चारों के पास से मोटरसाईकिल -04,मोबाईल- 04, मास्टर चाभी -01 गाड़ी वाहन बिक्री पत्र - 02 सेट,लोहे का रेती- 02लोहे का छेनी,01गाड़ी का नम्बर प्लेट हीरो मोटरसाईकिल का चाभी -01 समान भी बरामद किया।वही छापेमारी दल में पु०नि० सह थानाध्यक्ष संजीव मौआर, मधुबन थाना, पु०अ०नि० सह थानाध्यक्ष राजीव रंजन कुमार गड़हिया ओ०पी० ,पु०अ०नि० नसीम हैदर गड़हिया ओ०पी०,पु०अ०नि० दिनेश कुमार सिंह, गड़हिया ओ०पी०हवलदार राजेन्द्र प्रसाद सिंह, गड़हिया ओ०पी०,सिपाही पवन कुमार, गड़हिया ओ०पी०,चौकीदार चुमन राय,गड़हिया ओ०पी० शामिल रहे।

आरजी कर की घटना को लेकर आरामबाग में गरजे छात्र

एजेंसी

आरामबाग। आर.जी. कर मामले में न्याय की मांग को लेकर हुगली जिले के आरामबाग महकमे के कानपुर इलाके के छात्र रविवार को सड़कों पर उतर आए। उन्होंने जुलूस निकाला और जस्टिस फॉर आर.जी. कर के नारे लगाए।

छात्रों के इस जुलूस को लेकर इलाके में काफी तनाव व्याप्त हो गया। आरोप है कि छात्रों के जुलूस को सत्ता पक्ष के लोगों ने घेर लिया। आरोप यह भी है कि जूलूस में शामिल छात्रों को धमकी भी दी गई। तनाव की खबर पुलिस तक पहुंच गई। अंततः पुलिस ने जाकर उन्हें घेराबंदी से मुक्त कराया।प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि शासक छात्रों से विरोध की भाषा छीनना चाहते हैं। स्कूलों को दिशा-निर्देश भेजे जा रहे हैं। लेकिन इस आंदोलन को दबाया नहीं जा सकता। इस संदर्भ में माकपा नेता बिप्लब कुमार माइत्रा ने कहा, "दरअसल, यह साफ समझ आ रहा है कि सरकार आर.जी. कर मामले में किसी भी आंदोलन को दबाना चाहती है। लेकिन, धमकी से आंदोलन को दबाया नहीं जा सकता। यह आंदोलन और तेज होगा।वहीं, माधवपुर क्षेत्र के भाजपा नेता सायन रॉय ने कहा कि अचानक तृणमूल के कुछ बदमाश आए और उन पर हमला करने की कोशिश की। देखकर इलाके के लोग आक्रोशित हो गये। पुलिस ने आकर स्थिति को नियंत्रित किया।

आरजी कर कांड- पूर्व सुपरिंटेंडेंट व फॉरेंसिक प्रमुख सहित कई ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में सीबीआई की टीमें रविवार सुबह कोलकाता के कई स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं। सीबीआई ने केस्टोपुर, हावड़ा और एंटाली इलाकों में स्थित अस्पताल के पूर्व अधिकारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों के घरों पर छापेमारी की है। अस्पताल के फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. देवाशीष सोम के केस्टोपुर स्थित घर पर सीबीआई की टीम पहुंची, जबकि अस्पताल के पूर्व सुपरिंटेंडेंट संजय बशिष्ठ के एंटाली स्थित आवास पर भी सीबीआई के अधिकारी पहुंचे। इसके अलावा, सीबीआई ने हावड़ा में स्थित बिप्लव सिंह के घर पर भी छापा मारा, जो कि अस्पताल को चिकित्सा सामग्री आपूर्ति करने का काम करते हैं। यह सभी नाम आरजी कर अस्पताल के पूर्व अतिरिक्त सुपरिंटेंडेंट अख्तर अली द्वारा उठाए गए आरोपों में शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई की एक टीम आरजी कर अस्पताल में भी गई है। शनिवार को ही इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके बाद सीबीआई ने रविवार को अपनी जांच तेज कर दी है। आरजी कर अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच उच्च न्यायालय के निर्देश पर सीबीआई कर रही है। पिछले नौ अगस्त को अस्पताल की एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर का शव बरामद हुआ था, जिसके बाद से देश भर में हंगामा मच गया था। प्रशिक्षु डॉक्टर के सामूहिक बलात्कार के बाद बर्बर तरीके से हत्या से देश भर में तीखा आक्रोश है। इस मामले में भी अस्पताल के अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। इस मामले को लेकर राज्य सरकार ने 16 अगस्त को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था, जिसकी अध्यक्षता आईपीएस अधिकारी प्रणव कुमार कर रहे थे। हालांकि, राज्य पुलिस की इस एसआईटी पर विश्वास न जताते हुए आरजी कर अस्पताल में हुई वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए ईडी को जिम्मेदारी सौंपने की मांग की गई थी। लेकिन उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आदेश दिया कि इस मामले की जांच भी सीबीआई करेगी। हाई कोर्ट में पेश किए गए मामलों में आरजी कर अस्पताल में कई अनियमितताओं की जानकारी दी गई थी, जिसमें शवगृह से शवों का गायब होना और मेडिकल वेस्ट को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप शामिल थे। इन सभी आरोपों में संदिग्ध अधिकारियों में संदिप घोष, देवाशीष सोम और बिप्लव सिंह के नाम सामने आए हैं।

पुलिस ने छात्रों के लिए आयोजित किया साइबर क्राइम प्रशिक्षण कार्यक्रम

एजेंसी

मुर्शिदाबाद। देशभर में साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर जंगीपुर पुलिस जिले की ओर से स्कूली छात्रों को 'साइबर क्राइम' की शिक्षा देने के लिए एक विशेष पहल की गई है।इस बारे में जंगीपुर पुलिस जिला अधीक्षक आनंद रॉय ने कहा कि विशेष रूप से प्रशिक्षित 'साइबर क्राइम' की दो टीमें अगले कुछ दिनों तक नियमित रूप से पुलिस जिले के अंतर्गत 110 स्कूलों और कॉलेजों का दौरा करेंगी। ये टीमें बताएगी कि शिक्षण संस्थानों में वे छात्रों को 'साइबर क्राइम' क्या है और वे इससे कैसे बच सकते हैं। छात्रों को प्रशिक्षण मिल जाने पर वे परिवार के सदस्यों को 'साइबर क्राइम' के बारे में सिखा सकते हैं।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कई छात्र सोशल मीडिया पर अजनबियों से मिलने पर विभिन्न अपराधों का शिकार हुए हैं। इसलिए, फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) और अन्य सोशल मीडिया ने उन्हें जागरूक करना शुरू कर दिया है कि जब वे किसी अजनबी से मिलें तो क्या करें और क्या न करें। इसके अलावा छात्रों को 'ऑनलाइन ट्रांजेक्शन' और बैंकों में होने वाले अन्य 'धोखाधड़ी' के बारे में भी जानकारी दी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा, 'जो आज छात्र हैं, वही बड़े होकर समाज को बेहतर बनाएंगे। इसलिए उन्हें अभी से 'साइबर क्राइम', सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और उससे बचने के बारे में सही जानकारी होनी चाहिए।

वैन में बने गुप्त तहखाना से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद

एजेंसी

अररिया। अररिया जिला मद्य निषेध विभाग की टीम ने शनिवार की देर शाम सिमराहा थाना क्षेत्र के पोठिया नेशनल हाईवे 27 स्थित पेट्रोल पंप के निकट एक वैन से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की। शराब धंधेबाजों ने शराब की बोतलें वैन में लोहे के चादर के पीछे तहखाना बना कर छुपा रखा था,जो देखने से खाली वैन प्रतीत हो रहा था।मद्य निषेध विभाग की टीम ने मामले में पश्चिम बंगाल के दो तस्करों को गिरफ्तार किया। वैन पर शराब छिपाकर पश्चिम बंगाल से तस्करी कर नेशनल हाइवे 27 से ले जाया जा रहा था।पकड़े गए शराब के धंधेबाजों से मद्य निषेध विभाग के अधिकारियों ने रातभर पूछताछ की,जिसके बाद रविवार के सुबह प्राथमिकी दर्ज कराते हुए दोनों आरोपितों को जेल भेज दिया। यह कार्रवाई सिमराहा थाना क्षेत्र स्थित पोठिया पेट्रोल पंप के पास की गई है। वैन से 303 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। मामले में मद्य निषेध विभाग के अधीक्षक निरंजन कुमार झा ने बताया कि अररिया नेशनल हाईवे 27 के रास्ते वैन से शराब तस्करी किए जाने की अचानक से गुप्त सूचना मिली। इस पर आनन-फानन में टीम तैयार कर नेशनल हाईवे 27 पहुंचा गया। वहां वाहनों की तलाशी शुरू की गई। सूचना के आधार पर वाइट कलर्स की मैजिक वैन मौके पर पहुंची। वाहनों की चेकिंग होती देख उस वैन पर सवार शराब धंधेबाज वाहन को तेज गति से लेकर भागते चले गए। कई किलोमीटर पीछा करने के बाद पोठिया स्थित पेट्रोल पंप के समीप उत्पादन विभाग ने उन्हें दबोच लिया। वैन की तलाशी ली गई तो उसमें से कुछ भी नहीं निकला। इस पर पुलिस ने वैन सवार लोगों से सख्ती से पूछताछ की गई तो उन्होंने राज उगला। वैन की स्टील के चादरे को काटकर हटा कर देखा गया तो उसमें तहखाना निकला। तहखाने में शराब की बोतलें रखीं थीं। वैन से 303 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई है। पकड़े गए दोनों शराब धंधेबाज की पहचान पश्चिम बंगाल के कैनिंग थाना क्षेत्र के एस. के.मुन्ना और अरुण सेठ के रूप में की गई है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर वैन जब्त की गई।

जान जोखिम में डालकर यात्रा करने को विवश लोग

एजेंसी

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज स्थित गंगा नदी में लोग अवैध नाव से जान जोखिम में डालकर यात्रा करने को विवश हैं। एक तरह से यह प्रशासन की लापरवाही है, लेकिन लोगों के लिए मौत का सफर है। सुलतानगंज अगुवानी पुल अपने निर्माण काल में बीते दो साल में तीन बार धाराशाई हो चुका है। इससे साबित होता है कि करोड़ों की लागत से बन रहे पुल में गुणवत्ता का घोर अभाव है। पुल निर्माण में हो रही देरी से लोगों का सफर यहां मौत से काम नहीं है लेकिन लोगों के लिए यह सफर मजबूरी भी है। क्योंकि लोगों का आवागमन के लिए यह एकमात्र रास्ता सुल्तानगंज से खगड़िया को जोड़ता है। समय पर अगर पुल का निर्माण हो जाता तो यह स्थिति नहीं आती। उल्लेखनीय हो कि एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी अगुवानी पुल का निर्माण करवा रही है। कंपनी पर कई बार भ्रष्टाचार के आरोप भी लग चुके हैं। लोगों को अब इस निमार्णाधीन पुल पर भरोसा नहीं है। लेकिन ठीक उसी पुल के पास से अवैध नौका का परिचालन हो रहा है। बाकायदा नाव पर 50 लोगों के बदले उसके दोगुना लोगों को सवार कर सफर करवाया जा रहा है। इस बाबत सुल्तानगंज थानाध्यक्ष को भी जानकारी दी गई लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की है। इधर गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। नाव पर क्षमता से अधिक लोगों को सफर करवाया जा रहा है। यात्रियों के अलावा बाढ़ पीड़ितों के समान भारी भरकम भी नाव पर लोड रहता है।

जलपाईगुड़ी में पुलिस ने रोकी बालू की तस्करी, सात डंपर जब्त

जलपाईगुड़ी। राजगंज थाने की पुलिस ने बालू तस्करी से पहले सात डंपरों को जब्त किया गया है। वहीं, सात डंपर चालकों को भी गिरफ्तार किया है। रविवार को आरोपितों को जलपाईगुड़ी अदालत में पेश किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, तड़के उदलाबाड़ी से अवैध तरीके से नदी से बालू की तस्करी की जा रही थी। सूचना पाकर राजगंज थाने की पुलिस ने अभियान चलाया। जिसके बाद सात बालू-पत्थर लदे डंपरों को जब्त कर चालकों से संबंधित कागज की मांग की गई। कागजात नहीं दिखाने पर वाहन को जब्त कर चालकों को गिरफ्तार कर लिया गया। सभी आरोपितों को जलपाईगुड़ी अदालत में पेश किया गया।

अभियान एक दिवसीय सदस्यता अभियान कार्यशाला 2024 का आयोजन किया गया

कटिहार जिला में 05 लाख 51 हजार सदस्य बनाएगी भाजपा : मनोज राय

एजेंसी

कटिहार। भारतीय जनता पार्टी ने कटिहार जिला में 05 लाख 51 हजार सदस्य बनाने लक्ष्य निर्धारित किया है। सदस्यता अभियान को लेकर चार सदस्य वाली एक टोली बनी है, जिसमें शोभा जायसवाल, गोविंद अधिकारी, मुकेश पासवान और संजय झा शामिल हैं। यह टोली जिले भर से नए सदस्यों को भाजपा से जोड़ने का काम करेगी। उक्त कार्यक्रम को लेकर रविवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष मनोज राय के अध्यक्षता में एक दिवसीय सदस्यता अभियान कार्यशाला 2024 का आयोजन किया गया। इस सदस्यता अभियान कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश महामंत्री व विधान पार्षद प्रमोद चंद्रवंशी, क्षेत्रीय प्रभारी नरेश शाह मुख्य रूप से शामिल हुए। इस संदर्भ में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय ने बताया कि सदस्यता अभियान आगामी 01 सितंबर से शुरू होगा।

जिले के सभी 29 मंडल से तीन तीन सदस्यता अभियान की टोली को चयनित किया गया है। अभियान को पूरे संकल्पित भाव से घर-घर जाकर हर बूथ पर सफलतम सदस्यता अभियान चलाना है, जिसको लेकर आज कार्यशाला में कार्यकताओं को पूरी जानकारी दी गई। इसके माध्यम से टोली और मंडल की टीम की संविधान को सफल बनाने का कार्य करेंगे। मुख्य अतिथि प्रमुख चंद्रवंशी ने उपस्थित सभी मंडल कमेटी एवं सदस्यता अभियान की टोली का वृत्त लिया, और कहां की विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के हम कार्यकर्ता है। मिस्ड कॉल और क्यूआर कोड स्केन कर पार्टी से सदस्यता अभियान के माध्यम से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान चार तरीके से नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ा जाएगा।

पहले इसको लेकर एक नंबर जारी किया जाएगा। इस नंबर पर सिर्फ मिस कॉल करने पर पार्टी की तरफ से उन्हें जोड़ने का करवाई किया जाएगा। दूसरा क्यूआर कोड स्कैनर से उनको जोड़ा जाएगा। तीसरा नमो एप और चौथा भाजपा के आधिकारिक वेबसाइट्स्त्र.ङ्क्ष्ट पर लॉगिन कर-के भी भाजपा से जुड़ सकेंगे। चंद्रवंशी ने कहा कि केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार सभी बूथों पर 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। इस अवसर पर प्राणपुर विधायक निशा सिंह, कोढ़ा विधायक कविता पासवान, पुर्व सांसद निखिल कुमार चौधरी, पूर्व विधायक विभाष चंद्र चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष चन्द्र भूषण ठाकुर, पुर्व प्रत्याशी बरुण झा, भाजपा जिला महामंत्री रामनाथ पांडे, सौरभ कुमार मालाकार, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार राय, दिलीप वर्मा, प्रेम प्रकाश गुड्डू , राघवेंद्र सिंह, जिला मंत्री शांति जायसवाल, मंजू चंद्रवंशी, आलोक मंडल, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री सीमा झा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष गौरव पासवान, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रिना झा, नेहा किरण, छाया तिवारी सहित बड़ी संख्या में सभी 29 मंडल के अध्यक्ष आदि शामिल थे।

बच्चों-गर्भवतियों के टीकाकरण की जानकारी पोर्टल पर हो रही है दर्ज

एजेंसी

किशनगंज। टीकाकरण एक ऐसी प्रक्रिया है, जो जीवनभर की सुरक्षा प्रदान करती है। टीकाकरण न केवल बीमारियों से बचाव करता है, बल्कि यह समाज में बीमारियों के प्रसार को भी रोकता है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों का टीकाकरण उन्हें कई खतरनाक बीमारियों से बचाता है, जिनमें पोलियो, खसरा, काली खांसी, टेटनस और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियां शामिल हैं। इन बीमारियों से बचाव के लिए समय पर टीका लगवाना बहुत जरूरी है। वहीं ससमय लाभुको को लाभ मिल सके इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने एक नई डिजिटल पहल की शुरूआत की है, जिसके तहत अब गर्भवतियों और बच्चों के टीकाकरण की जानकारी पूरी तरह से ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। 'यू विन' पोर्टल और एप्लिकेशन का उद्देश्य न केवल टीकाकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है, बल्कि इसे अधिक पारदर्शी और सुलभ भी बनाना है। यह पहल उन परिवारों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जो अपने बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहते हैं, और जिन्हें समय पर सही जानकारी और सेवाएं प्राप्त करने में कठिनाई होती है। इसी क्रम में रविवार को उक्त कार्यक्रम की सफलता के लिए डब्लूएचओ, गावी एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सभी आशा दीदी को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि नियमित टीकाकरण में शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल की जा सके।

अभिषेक को खुद नहीं पता था स्त्री 2 के लिए शूट किया था सीन, मुंजा में हो गया इस्तेमाल

अभिषेक बनर्जी की नई फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहरा रही है और हर दिन ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने स्त्री 2 की सफलता पर बात करने के साथ-साथ अपने करियर और अक्षय कुमार के कैमियो को लेकर कई बातें साझा की। अभिषेक बनर्जी इस बात से काफी खुश हैं कि वो स्त्री के रुप में एक बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं, जिस पर लोग जमकर प्यार बरसा रहे हैं और थिएटर में हंस रहे हैं, डांस कर रहे हैं और सीटी बजाकर फिल्म का आनंद ले रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि सोचिए आखिरी बार ऐसा कब देखा गया था कि थिएटर के बाहर फिल्म देखने के लिए लंबी-लंबी लाइन लग रही हो। स्त्री 2 को देखने आ रही लोगों की भीड़ को लेकर अभिषेक बनर्जी कहते हैं कि इस पर यकीन नहीं होता है और ये अवास्तविक स्थिति है। उन्होंने अक्षय कुमार की कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा कि गरम मसाला उनकी पसंदीदा फिल्मों में से एक है और जब कभी दुखी होते हैं तो इसे देख लेते हैं। अक्षय के कैमियो पर बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि जब निर्देशक अमर कौशिक ने उन्हें इस बारे में बताया था तो वो खुशी से उछल पड़े थे। अभिषेक ने बताया कि उन्हें मालूम था कि वो और अक्षय कुमार अपने इस सीन में सुधार करेंगे और सेट पर मिलने के साथ ही उन्होंने इस बारे में सोचना शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि जब वो घर लौटे तो दोस्तों को खुशी से बताया कि भाई मैं अक्षय कुमार के साथ फिल्म करके आया हूं। स्त्री 2 का निर्माण दिनेश विजान की प्रोडक्शन कंपनी मैडॉक फिल्म्स द्वारा किया गया है। यह उनके हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है और खास बात यह है कि अभिषेक बनर्जी ने इस यूनिवर्स की सभी फिल्मों में काम किया है। एक रोचक बात बताते हुए उन्होंने कहा कि मुंजा में उनका जो सीन है, उसे स्त्री 2 के लिए शूट किया था और उन्हें इस बात की कोई खबर नहीं थी कि उसे मुंजा में ले लिया जाएगा।

मैं और तापसी सच के लिए लड़ते हैं

अपनी बेहतरीन फिल्मों के जरिए लोगों के मन में अमिट छाप छोड़ने वाली राइटर-प्रोड्यूसर कनिता ढिल्लों ने बीते सालों में अनगिनत फिल्में की हैं। वो एक बार फिर से अपनी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर खबरों में हैं। रूमी, मुक्कू, रानी जैसी अपनी शर्तों पर जीने वाली आजाद लड़कियों को पर्दे पर गढ़ने वाली राइटर-प्रड्यूसर कनिका ढिल्लों इन दिनों अपनी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर चर्चा में हैं। इसी साल उनके बैनर की पहली फिल्म दो पत्ती भी ओटीटी पर दस्तक देगी।

फिल्म एनिमल में नायक के अपनी पत्नी को धोखा देने की काफी आलोचना हुई। आपकी मनमर्जियां की रूमी और हसीन दिलरुबा की रानी भी अपने पति को धोखा देती हैं। फिर भी उनके प्रति सहानुभूति रहती है। आपको नहीं लगता कि उनकी दगाबाजी भी गलत है

सही और गलत के लिए तो हम यहां आए नहीं है। हम यहां एक इमोशन के लिए बैठे हैं। हम यह देखने के लिए बैठे हैं कि क्या आपने रानी का दर्द, उसका गुस्सा, उसका पश्चाताप महसूस किया हम उसके लिए यहां हैं। हसीन दिलरुबा में आप रानी कश्यप को कभी गलत ठहराते हैं, क्योंकि वह गलत काम करती है। कभी आप उसके दर्द में साथ बहते हैं। कभी अपने मन में उसको डांटते हैं कि ये गलत है। कभी आप उसका पश्चाताप देखते हैं तो उसे प्यार भी करते हैं। मैंने सही-गलत या कोई स्टेटमेंट देने के लिए ये कहानी नहीं लिखी। ये कहानी एक फीलिंग, एक इमोशन के लिए लिखी है।

राइटर्स हर कहानी के साथ एक दुनिया गढ़ते हैं, फिर उसके पूरे होने पर एक खालीपन से गुजरते हैं, आपका राइटिंग प्रॉसेस क्या रहता है रिशू-रानी की दुनिया में वापस जाना कितना सहज या मुश्किल रहा

मैं वो खालीपन होने ही नहीं देती हूं। मैं कहानी से कहानी भागती रहती हूं। कुछ लोग ऐसे लिखते हैं कि हर कहानी में अपना सबकुछ उड़ेल देते हैं। मेरा प्रोसेस उससे बिल्कुल उल्टा है। मैं एक समय में सिर्फ एक कहानी नहीं लिख सकती। मुझे लगता है कि अगर आप कहानी में बहुत ही ज्यादा घुस जाते हैं तो अपका नजरिया कहीं ना कहीं धुंधला जाता है। आप अपने लिखे हुए को निष्पक्ष होकर नहीं देख पाते।

तापसी के साथ आपने मनमर्जियां, रश्मि रॉकेट, हसीन दिलरुबा के दो पार्ट काफी काम कर लिया। उनके साथ अपने रिश्ते को कैसे देखती हैं और वक्त के साथ उसमें क्या बदलाव पाती हैं

हमारा रिश्ता वाकई काफी मजबूत है। हमने काफी फिल्में साथ में कर ली हैं। बदलाव ये है कि हर फिल्म के दौरान मुझे लगता है कि जितना मैं सोचती हूं कि ये लड़की पागल है, वो उससे ज्यादा पागल निकलती है। यही बात मेरे लिए भी लागू होती है। हममें एक चीज कॉमन है कि हम गलत को गलत कहते हैं और सही के लिए लड़ते हैं। हम आवाज उठाने से डरते नहीं है और ये चीज बहुत कम लोगों में पाई जाती है। हम एक दूसरे को समझते हैं, इसलिए हमारा एक राइटर-ऐक्टर का बहुत अच्छा रिश्ता है। हम दोस्त भी हैं और ज्यादातर जिस तरह से मैं लिखती हूं, उसमें जिन ऐक्टर्स से दोस्ती हो जाती है, उनके लिए और मजे से लिख पाती हूं क्योंकि मैं उनकी खूबियां, उनकी कमियां जानती हूं। इसीलिए, मैं ज्यादातर जब अपनी कहानियां लिखती हूं तो कास्ट करके लिखना पसंद करती हूं।

बिजनेस में पहचान बनाने के लिए विक्की ने किया सपोर्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ फिल्मों में अपने अभिनय के लिए तो मशहूर हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि वह एक उद्यमी भी हैं दरअसल, अभिनेत्री एक मेकअप ब्रांड की मालकिन हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने खुलासा किया कि अभिनय और उद्यमिता के बीच संतुलन बनाना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने अपने पैशन के बारे में बात की और बताया कि वह कैसे अपने काम को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। अभिनेत्री कैटरीना कैफ को लगता है कि महिलाओं को अपनी ताकत को समझना जरूरी है। अभिनेत्री के अनुसार केवल मेकअप आत्मविश्वास को बढ़ावा नहीं देता।बता दें कि अभिनेत्री उद्यमी फाल्गुनी नायर के साथ ब्यूटी ब्रांड की मालकिन हैं। कैटरीना ने खुलासा किया कि उनके पति, अभिनेता विक्की कौशल कभी-कभी उन्हें अपना फोन डाइनिंग टेबल से दूर रखने के लिए कहते हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'एक अभिनेता और एक उद्यमी के रूप में अपने करियर को संतुलित करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद है, लेकिन साथ ही यह समय भी मांगता है। कई बार मेरे पति (विक्की कौशल) मुझे डिनर टेबल पर फोन रखने के लिए कहते हैं, लेकिन मुझे अक्सर महत्वपूर्ण काम करना होता है। वह समझते हैं कि यह समर्पण अत्यधिक जुनून से आता है।'विक्की कौशल कैटरीना के इस सफर में उनका बड़ा सहारा रहे हैं। वह अक्सर उनकी कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए नजर आते हैं। बता दें कि कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने 9 दिसंबर, 2021 को राजस्थान में अपने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

15 सितंबर को नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म 'अद्भुत' का प्रीमियर

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की आगामी फिल्म 'अद्भुत' का प्रीमियर टेलीविजन पर होने वाला है। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की। अभिनेता ने फिल्म की एक तस्वीर भी साझा की है। फोटो शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा कि साल की सबसे चौंकाने वाली फिल्म का रहस्य उजागर होते देखें। फिल्म का ट्रेलर शनिवार दोपहर 12 बजे रिलीज किया जाएगा। फिल्म का प्रीमियर 15 सितंबर को सोनी मैक्स चैनल पर रात 8 बजे किया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन सब्बीर खान ने किया है, जिनके साथ नवाज ने पहले मुन्ना माइकल में काम किया था। यह फिल्म एक मिस्ट्री थ्रिलर है। अद्भुत 15 सितंबर को सोनी मैक्स पर रिलीज होने वाली है। इससे पहले, अभिनेता को स्ट्रीमिंग मूवी रौतू का राज में देखा गया था, जिसमें उन्होंने एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई थी, जो पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर से पीड़ित है। फिल्म को समीक्षकों से तारीफ मिली थी और 28 जून, 2024 को जी5 पर रिलीज किया गया था। नवाज को क्राइम-ड्रामा फिल्म हड्डी में अनुराग कश्यप के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए भी देखा गया था। उन्होंने फिल्म में दोहरी भूमिकाएं निभाईं, जिनमें से एक ट्रांसजेंडर का रोल भी था।

पाणी के ट्रेलर लांच के लिए मुम्बई पहुँची प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा की मराठी फिल्म 'पानी' 18 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।. ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म के ट्रेलर लॉन्च में शामिल होने के लिए शुक्रवार की सुबह मुंबई पहुंचीं। इस दौरान वे एयरपोर्ट पर काफी स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। इस दौरान ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ऑल व्हाइट आउटफिट में फैशन गोल सेट करती हुई नजर आईं। प्रियंका ने व्हाइट क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग ट्रैक पैंट, लॉन्ग श्रग, डेनिम कैप और व्हाइट शूज पहने थे। उन्होंने इस दौरान मिनिमल मेकअप किया हुआ था और अपने बालों को ओपन छोड़ा था। इस लुक में प्रियंका काफी हसीन लग रही थीं। प्रियंका की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं और फैंस एक्ट्रेस के कूल लुक को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि कुछ दिन पहले ही प्रियंका ने अपने मराठी प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर 'पाणी' का मोशन पोस्टर शेयर किया था। आदिनाथ कोठारे द्वारा निर्देशित, 'पाणी' नांदेड़ के सूखाग्रस्त गांव नागदेरवाड़ी के एक साधारण व्यक्ति की कहानी बताती है। फिल्म उनकी यात्रा को दर्शाती है क्योंकि वह कई चुनौतियों के बावजूद गांव को पानी के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश करते हैं।

वीडी 14 को लेकर आया नया अपडेट, क्या फिल्म में डबल रोल निभाएंगे विजय देवरकोंडा?

विजय देवरकोंड़ा की आगामी फिल्म वीडी 14 को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म मे वह डबल रोल में नजर आएंगे। फैमिली स्टार के फ्लॉप होने के बाद हाल ही में विजय देवरकोंडा ने कल्कि 2898 एडी में एक विशिष्ट भूमिका निभाई थी। अर्जुन के रूप में उनके अभिनय को लोगों ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म के बाद अभिनेता की एक और फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है। फिल्म का अस्थाई नाम वीडी 14 है। यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें विजय अपनी अदाकारी का जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वह डबल रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म अभी प्रोडक्शन के शुरुआती चरण में हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो अगले साल की पहली छमाही तक इसकी शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है। दावे के मुताबिक फिल्म में विजय पिता और पुत्र के किरदार में दिखेंगे। फिल्म की कहानी को ब्रिटिश काल के इर्द-गिर्द बुना गया है, जिसे फ्लैशबैक दृश्यों के माध्यम से लोगों के सामने रोचक अंदाज में पेश करने की कोशिश की जाएगी। कहा जा रहा है कि फिल्म में पिता का किरदार शक्तिशाली व्यक्ति के रूप में चित्रित किया जा सकता है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इन रिपोर्ट्स की पुष्टि नहीं की है।इस साल मई में विजय ने अपनी इस फिल्म का एक पोस्टर साझा किया था। इसके लिखा था, महाकाव्य लिखे नहीं जाते, वे नायकों के खून में उकेरे जाते हैं। पोस्टर में सूखी जमीन पर एक योद्धा की प्राचीन मूर्ति दिखाई दी थी, जो अपने घोड़े पर सवार है और तलवार थामे हुए है। फिल्म में कहानी 1854 से 1878 के बीच की दिखाए जाने की उम्मीद है। विजय देवरकोंडा और राहुल सांकृत्यायन ने इससे पहले 2018 की फिल्म टैक्सीवाला में साथ काम किया था, जिसमें प्रियंका जावलकर, मालविका नायर, मधुनंदन, रवि वर्मा, शिजू ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

जब अल्लू अर्जुन ने प्रभास से की थी ऋतिक की तुलना

साउथ और बॉलीवुड स्टार्स हमेशा से ही प्रशंसकों के बीच काफी प्रसिद्ध रहे हैं। उनसे जुड़ी हर एक खबर पर भी उनके प्रशंसकों की नजर रहती हैं। अब एक अल्लू अर्जुन का थ्रोबैक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह ऋतिक रोशन और प्रभास की तुलना करते दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, यह वीडियो इस बीच सामने आया है क्योंकि हाल ही में अरशद वारसी ने फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर प्रभास के बारे में टिप्पणी की थी, जो प्रभास के प्रशंसकों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। कल्कि 2898 एडी में प्रभास की भूमिका के बारे में अरशद वारसी की टिप्पणियों ने हलचल मचाना जारी रखा है। एक थ्रोबैक वीडियो सामने आया है जिसमें अल्लू अर्जुन अभिनेता ऋतिक रोशन और प्रभास की तुलना आपस में कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब अल्लू अर्जुन ने ऋतिक और प्रभास की तुलना में कहा कि प्रभास के आगे ऋतिक रोशन कुछ भी नहीं हैं उस दौरान वहां पर निर्देशक एसएस राजामौली के अलावा कई साउथ सिनेमा के दिग्गज मौजूद थे। ऋतिक रोशन को प्रभास से कमतर बताने की अल्लू की क्या वजह रही होगी, यह तो कुछ नहीं कहां जा सकता, लेकिन अल्लू की इन बातों से प्रभास के प्रति उनका प्रेम साफ झलकता नजर आया।

संक्षिप्त खबरें

कान्हा व राधा बन खूब थिरके नन्हे-मुन्ने, मोहा मन

हरिद्वार। दि ज्ञान गंगा एकेडमी जगजीतपुर में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दो दिवसीय उत्सव मेरो मदन गोपाल का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या मीरा पंचोली ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के लिए कार्यक्रम को दो हिस्सों में बांटा। शुक्रवार को प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा एक तक के विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़ी अनेक घटनाओं के बारे में जाना व उनका शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे दिन कक्षा दो से लेकर कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़ी वस्तुओं जैसे की मुकुट मेकिंग व कलरिंग मटका मेकिंग व कलरिंग तथा बांसुरी मेकिंग व कलरिंग को बनाने के प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

एक पेड़ मां के नाम मुहिम का हिस्सा बनें: भूपेन्द

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 113वें संस्करण को लखनऊ पश्चिम विधानसभा के पश्चिम मंडल-3 अंतर्गत बूथ संख्या 360 पर पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठकर सुना। मन की बात को सुनने के बाद भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा किए गए आह्वान 'एक पेड़ मां के नाम' मुहिम का हिस्सा बनें तथा धरती मां को पवित्र व स्वच्छ बनाएं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी 1 सितंबर से 30 सितंबर तक मनाये जाने वाले 'पोषण माह' में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अपने क्षेत्र में पोषण के प्रति जागरूकता वाले इस अभियान से अवश्य जुड़ें। पिछले वर्ष पोषण अभियान को नई शिक्षा नीति से भी जोड़ा गया था।

चिट्टे की तस्करी में शामिल दो आरोपित गिरफ्तार

धर्मशाला। जिला पुलिस नूरपुर द्वारा नशे के खिलाफ चलाये गये अभियान के तहत पकड़े गए चिट्टे के एक मामले में फरार चल रहे दो अन्य आरोपितों को पुलिस ने चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को इन दोनों की तलाश थी जो करीब साढ़े तीन महीने के बाद पूरी हो गई। पकड़े गए आरोपितों में विशाल कुमार उर्फ गुल्ला पुत्र सोहन लाल व अभिषेक पुत्र अश्वनी कुमार निवासी छन्नी तहसील इन्दौरा जिला कांगड़ा शामिल हैं। यह दोनों चिटटा की तस्करी में शामिल थे। गौरतलब है कि जिला पुलिस नूरपुर के तहत थाना डमटाल के अंतर्गत चक्की खडड नजदीक गउशाला में नशा तस्करों के खिलाफ कार्यवाही अमल मे लाई गई थी। इस मामले में कर्ण कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी विष्णुनगर लमीणी तहसील व जिला पठानकोट के कब्जे से 8.45 ग्राम हेरोइन/चिटटा बरामद करने में सफलता प्राप्त की थी।

दो वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास, 72 वर्षीय आरोपित गिरफ्तार

नैनीताल। देश में महिला अपराधों की घटनाओं में अचानक वृद्धि देखने को मिल रही है। नैनीताल जनपद के थाना बेतालघाट क्षेत्र में दो वर्षीय अबोध बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि 72 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति ने बच्ची के साथ यह घिनौना कृत्य करने की कोशिश की। गंभीर हालत में बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। बेतालघाट पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार शाम करीब पांच बजे की है। बच्ची अपनी दादी के पीछे-पीछे खेतों की ओर जा रही थी, तभी पड़ोस में रहने वाले बुजुर्ग बिशन राम ने उसे पकड़ लिया।

कुपवाड़ा के माछिल में तेल टैंकर खाई में गिरा, दो लोगों की मौत

कुपवाड़ा। कुपवाड़ा जिले माछिल में एक तेल टैंकर के खाई में गिरने के कारण दो लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस ने बताया कि तेल टैंकर पंजीकरण संख्या जेके02डीजी 9805 शनिवार देर रात कुपवाड़ा जा रहा था । माछिल के पास अचानक चालक के टैंकर पर से नियंत्रण खोने के कारण यह सड़क से फिसल गया और पास की गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने बताया कि वाहन के चालक और कंडक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पहचान बलशामा सुंदरबनी राजौरी निवासी जसबीर सिंह ठाकुर और नौशहरा निवासी अंकुश चौधरी के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल की पहचान अनु शर्मा निवासी सुंदरबनी राजौरी के रूप में हुई है, जिसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर देश का अपने तरह का पहला एवं अनूठा धर्ममय ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित

गांवों में विकास की नई दिशा तय की जाएगी : डॉ. मोहन

इंदौर। एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी विकासखण्डों में एक गांव को चयनित कर बरसाना गाँव के रूप में विकसित किया जाएगा। इन गांवों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों का प्रसार किया जाएगा और उन्हें जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। बरसाना गांव में जहां एक ओर प्राचीन संस्कृति को पुष्पित और पल्लवित किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर जैविक खेती और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। इन गाँवों में विकास की नई दिशा तय की जाएगी। ग्रामीणों में मानवता, सामाजिक, सांस्कृतिक एकता के जन जागरण का प्रसार कर एक ऐसा समाज तैयार किया जाएगा, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण

के आदर्श और सिद्धांत दिखायी दें। इसके साथ ही प्रदेश के हर एक नगरीय निकाय में भी गीता भवन केन्द्र स्थापित किये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 'हर बालक कृष्ण, हर मां यशोदा' की थीम पर आयोजित देश में अपने तरह के पहले एवं अनूठे कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस धर्ममय एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित बाल गोपालों और यशोदा माताओं का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। इस अनूठे कार्यक्रम में पांच हजार से अधिक बच्चे बाल गोपाल और इतनी ही माताएं माँ यशोदा के रूप में मौजूद थीं। कार्यक्रम स्थल पूरी तरह आलौकिक अनुभूति से सराबोर था। कार्यक्रम स्थल को भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं से चित्रित एवं सजाया गया था। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बाल गोपालों को गोद में लेकर स्नेह से दुलार किया। मटकी फोड़ का कार्यक्रम भी हुआ। उन्होंने बाल गोपालों को माखन मिश्री भी प्रसाद के रूप में खिलायी। बाल गोपालों को कृष्ण जन्माष्टमी के उपहार भी वितरित किये गए।

कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायकगण उषा ठाकुर, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मनोज पटेल, गोलू तथा मधु वर्मा, संभागायुक्त दीपक, पुलिस कमिश्नर राकेश, कलेक्टर आशीष सिंह विशेष रूप से मौजूद थे।

मानव जाति की रक्षा के प्रतीक भी हैं

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र और उनसे जुड़ी लीलाओं और प्रसंगों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र से सीख लेकर हमें उनके आदर्शों और सिद्धांतों को जीवन में आत्मसात करना चाहिये। भगवान श्रीकृष्ण कोमलता, धैर्य, करूणा और प्रेम की प्रतिमूर्ति है। वे मानव जाति की रक्षा के प्रतीक भी हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में मानव जाति के कल्याण और धर्म की स्थापना के लिये अनेक लीलाएं भी की हैं। उन्होंने प्रकृति से प्रेम करना सिखाया है। ग्रामीण संस्कृति को बढ़ावा दिया है। माखन, दूध, दही को स्वास्थ रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया है। उनका जीवन ग्रामीण संस्कृति को प्रोत्साहन देने का रहा है।

गांव को विकसित करने का निर्णय लिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये हमने हर विकासखण्ड के एक गांव को चयनित कर बरसाना गांव के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही नगरीय क्षेत्रों में गीता भवन केन्द्र भी स्थापित किये जाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि हर माता यशोदा और बालक कृष्ण के रूप में अपना जीवन बनाएं। माँ यशोदा ममत्व की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब हर तीज, त्यौहार और पर्व पूर्ण हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित किये जाएंगे। समाज का हर वर्ग सभी तीज, त्यौहार और पर्व आनंद और उत्साह के साथ मनाएं। डॉ. यादव ने कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण पर आधारित भजन गोविंदा आला रे आला, जरा मटकी संभाल बृजबाला सुनाया।

हिन्दुओं पर हमले का नया चरण है नाबालिग जिहाद : विहिप

उदयपुर। एजेंसी

पिछले दिनों 10वीं में पढ़ने वाले मुस्लिम छात्र के चाकू मारने से उसी के सहपाठी देवराज की मौत के बाद रविवार सुबह शोक प्रकट करने उसके घर आए विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि हिन्दुओं पर हमले का नया तरीका नाबालिग जिहाद है। पिछले कुछ महीनों में चार से ज्यादा घटनाएं इस क्षेत्र में हुई हैं जिनमें हमलावर नाबलिग हैं। ऐसे में सरकार को ऐसे अपराधों में ऊपरी तौर पर नहीं, बल्कि गहराई से इस प्रवृत्ति और षड्यंत्र को बढ़ावा देने वालों की पहचान करने और उन्हें सजा के दायरे में लाने की आवश्यकता है। उदयपुर के खेरादीवाड़ा में दिवंगत छात्र देवराज के घर पहुंचकर आलोक कुमार ने देवराज के माता-पिता-दादी और अन्य परिवारजनों को ढांढ़स बंधाया। इस दौरान देवराज की माता नीमा ने फिर सवाल उठाया कि हत्यारों को सजा कब मिलेगी।

इस पर आलोक कुमार ने न्याय व्यवस्था पर विश्वास रखने की बात कहते हुए संबल बंधाया।

इसके बाद मीडिया से बात करते हुए आलोक कुमार ने कहा कि देवराज होनहार था, धार्मिक था, प्रतिदिन शिवजी को जल चढ़ाकर भोजन करता था, स्कूल के मंदिर की सार-संभाल करता था, स्कूल में प्रार्थना कराता था। वह राम भी बना था। उसकी हत्या हुई। उन्होंने स्पष्ट आरोप लगाया कि कहां चाकू मारना है, कहां घुमाना है, यह सभी एक प्रशिक्षित ही कर सकता है। आरोपित के पिता ने उसे चाकू खरीदकर दिया। चाकू दिलाने वाला यह कैसे नहीं जानता की चाकू बच्चा क्यों ले रहा है। देवराज की हत्या पूर्व नियोजित और पूर्ण प्रशिक्षण के बाद की गई है। बच्चों में इस तरह की प्रवृत्ति को पनपाने वाले ज्यादा दोषी हैं। सरकार को इस पूरे षड्यंत्र की व्यापक जांच कर कार्रवाई करनी होगी। उन सभी को दंड मिलना चाहिए। विश्व हिन्दू परिषद इस पर पूरी नजर रखेगा।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि आरोपी नाबालिग 16 साल से ज्यादा का है, उसके प्रमाण पत्र सही नहीं है, ऐसे में अधिवक्ता मेडिकल बोर्ड से उसकी जांच कराने पर विचार किया जा रहा है।

उत्तराखंड में वैदिक मंत्रों पर शोध को दिया जाएगा बढ़ावा : दीपक

रुद्रप्रयाग। संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार ने कहा है कि राज्य में वैदिक मंत्रों पर शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। संस्कृत भाषा के वैदिक मंत्रों पर आज विश्वभर में शोध हो रहे हैं, जो मानव जीवन के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। दीपक कुमार ने रुद्रप्रयाग जिले के संस्कृत विद्यालयों के निरीक्षण के मौके पर ये बातें कहीं। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षक और छात्रों से विद्यालयों की बेहतरी के लिए सुझाव भी मांगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वैदिक मंत्रों पर शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। बालिकाओं का भी संस्कृत शिक्षा ग्रहण करना गौरव का विषय है। विभाग सतत रूप से संस्कृत की ग्रह्यता पर काम कर रहा है। प्रारंभिक शिक्षा से संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने पर भी कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा संस्कृत विद्यालय में पढ़ रहे छात्रों को भी आधुनिक तकनीक एवं शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर सहायक निदेशक संस्कृत शिक्षा मनसाराम मैदुली, प्राचार्य शशि भूषण वमोला, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी विनोद सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

सत्ता में रहते कांग्रेस ने क्यों नहीं करायी जातीय जनगणना : मायावती

लखनऊ। एजेंसी

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा से पहले सत्ता में कांग्रेस थी तो उसने सत्ता में रहते जातीय जनगणना क्यों नहीं करायी, इसका जवाब दें। मायावती ने रविवार को एक्स पोस्ट में कहा कि संविधान के तहत एससी-एसटी को मिले आरक्षण में अब उप-वर्गीकरण व क्रीमीलेयर के जरिए इसे निष्प्रभावी बनाने व खत्म करने की चल रही साजिश के विरोध में कांग्रेस, सपा और भाजपा आदि का भी चुप्पी साधे रखना क्या यही इनका दलित प्रेम है, सचेत रहें। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस और सपा से अब किसी भी चुनाव में कोई गठबन्धन नहीं करना है। ये आरक्षण विरोधी हैं और एससी-एसटी और ओबीसी वर्गों को खुद अपने दम पर खड़ा होना है। मायावती ने कहा कि प्रयागराज में शनिवार को संविधान सम्मान समारोह आयोजित करने वाली कांग्रेस को डा. भीमराव अम्बेडकर के अनुयायी कभी

माफ नहीं करेंगे, जिसने संविधान निमार्ता बाबासाहब को उनके जीते-जी एवं देहांत के बाद भी भारतरत्न से सम्मानित नहीं किया। साथ ही बाबासाहब के आंदोलन को गति देने वाले कांशीराम के देहांत होने पर इसी कांग्रेस ने केंद्र में अपनी सरकार के रहते हुए उनके सम्मान में एक दिन के भी राष्ट्रीय शोक की घोषणा नहीं की। सपा सरकार ने भी राजकीय शोक घोषित नहीं किया। इनकी ऐसी दोगली सोच, चाल, चरित्र से सजग रहना जरूरी है।

लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि कोई भी चुनाव लड़ सकता है : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव में जमात-ए-इस्लामी के चुनाव लड़ने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि कोई भी चुनाव लड़ सकता है। उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैंने ऐसी खबरें सुनी हैं कि जमात-ए-इस्लामी अपना प्रतिबंध हटवाने की कोशिश कर रहा है, ताकि वे जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ सकें। लेकिन, दुर्भाग्य से सरकार ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव घोषित होने के बाद भी प्रतिबंध नहीं हटाया। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि जमात-ए-इस्लामी अपने उम्मीदवारों को निर्दलीय के तौर पर मैदान में उतार रही है, जो एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि हम चाहते थे कि वे अपने चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ें।

हालांकि, संगठन पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अब जब उन्होंने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है तो उन्हें अपने घोषणापत्र और वादों के साथ आगे आना चाहिए। उमर ने कहा कि यह लोगों पर निर्भर करता है कि वे किसे चुनते हैं। अगर उन्होंने चुनाव लड़ने का फैसला किया है तो हम उनका स्वागत करते हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन में दरार की खबरों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह पार्टी पर निर्भर करता है कि वह क्या तय करे।

पुलिस से बचने के लिए तालाब में कूदा युवक, डूबने से मौत

हरिद्वार। गंगनहर कोतवाली रूड़की के माधवपुर क्षेत्र में गौ संरक्षण स्क्वायड की टीम ने गौकशी के एक आरोपित को पकड़ने के लिए की गई दबिश के दौरान एक युवक तालाब में कूद गया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए जोरदार हंगामा किया। मृतक की पहचान सोहलपुर निवासी 22 वर्षीय वसीम उर्फ मोनू के रूप में हुई है, जो जिम ट्रेनर और संचालक था। परिजनों का आरोप है कि मोनू को पुलिस ने बांधकर तलाब में फेंका, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। जब उसका शव तालाब से बाहर निकाला गया, तो उसके हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे और शरीर पर चोटों के निशान थे। घटना की जानकारी पाकर झबरेड़ा विधायक वीरेंन्द्र जाती, भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष महक सिंह और पूर्व मंत्री गौरव चौधरी मौके पर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए टीम में शामिल सभी छह कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

ढाका : बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की हालत गंभीर

पुलिस हिरासत में एक दिन पहले भीड़ ने कर दिया था हमला

ढाका। एजेंसी

बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एएचएम शम्सुद्दीन चौधरी माणिक को गंभीर हालत में उस्मानी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है। शनिवार को सिलहट अदालत परिसर में पुलिस की हिरासत में शम्सुद्दीन चौधरी पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया था, जिसमें शम्सुद्दीन बुरी तरह घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें उस्मानी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां शनिवार देर रात हालत बिगड़ने पर आईसीयू में स्थानांतरित किया गया है।

ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, सिलहट के उप महानिरीक्षक (डीआईजी जेल) एमडी सगीर मियां ने कहा कि न्यायमूर्ति माणिक

की हालत गंभीर है, हमले के कारण अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव हुआ है।

सेना और पुलिस पूर्व न्यायाधीश को सुरक्षा प्रदान कर रही है और अस्पताल क्षेत्र के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सिलहट उस्मानी मेडिकल अस्पताल के सहायक निदेशक डॉ. जलील कैसर खोकोन के मुताबिक हमले के कारण पूर्व न्यायाधीश का अंडकोष फट गया था जिसका ऑपरेशन किया गया।

उनके शरीर पर कई चोटें और घाव थे और वह उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार रात पूर्व न्यायाधीश माणिक को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने सिलहट में कनाईघाट (डोना) सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश करने का प्रयास करते समय पकड़ लिया था। शनिवार सुबह उसे कनाईघाट पुलिस को सौंप दिया गया। जिसके बाद दोपहर में पूर्व न्यायाधीश माणिक को पुलिस सुरक्षा में अदालत लाया गया। अदालत परिसर में जेल वैन से उनके बाहर निकलते ही उपद्रवियों की भीड़ ने उनपर लात-घूसों, जूते-चप्पलों से हमला कर दिया। हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

कार्यक्रम | मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में जन्माष्टमी पर्व मनाने को लेकर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

हर जेल, पुलिस लाइन, थाने में मनाई जाए जन्माष्टमी: योगी

- श्रीकृष्ण जन्मस्थली मथुरा में बरती जाए विशेष सतर्कता

लखनऊ। एजेंसी

जन्माष्टमी के अवसर पर पूरे प्रदेश में घरों और मंदिरों के साथ-साथ पुलिस थानों, कारागारों और पुलिस लाइन में भी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव पूरे हर्षोल्लास और भक्तिभाव से मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व से पूर्व सभी रिजर्व पुलिस लाइंस ,पुलिस थानों एवं कारागारों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व परंपरागत भक्तिभाव से मनाए जाने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रदेश भर में कृष्णलीला, झांकी और शोभायात्रा के आयोजनों के दौरान वहां सुरक्षा, सफाई व अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से करने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल के प्रबंध करने के भी निर्देश दिए हैं। योगी के निदेशों का अनुपालन करते हुए उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा के महानिदेशक पीवी रामा शास्त्री ने प्रदेश के समस्त कारागारों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी को परंपरागत रूप से मनाए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व को लेकर रविवार को अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़ी श्रद्धा एवं धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें सम्मिलित होने के लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

झांकियों, शोभायात्राओं के दौरान न उत्पन्न हो विवाद की स्थिति

इसके साथ ही सीएम योगी ने पूजा-अर्चना, शोभायात्रा के दौरान किसी भी तरह के विवाद की स्थिति न बने, इसे लेकर भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विवादित स्थलों पर झांकियों को सजाने, शोभायात्रा के मार्ग में विवाद एवं नए मार्गों को लेकर अक्सर विवाद देखने को मिलते हैं। इसके साथ ही, परंपरा से हटकर कार्यक्रमों के आयोजन तथा गैरपरंपरागत जुलूस/शोभायात्रा निकाले जाने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग का भी उपयोग किया जाता है। वहीं, दूसरे संप्रदाय के धार्मिक स्थलों में पूजा-अर्चना के दौरान उनके करीब से शोभायात्राओं के गुजरते समय ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग, शोभायात्राओं/कार्यक्रमों के समय आपत्तिजनक टीका-टिप्पणी/नारेबाजी आदि को लेकर पूर्व में कई स्थानों पर विवाद की स्थिति सामने आई है। ऐसी स्थिति कहीं भी न बने, इसके लिए संवेदनशीलता के साथ सभी आवश्यक प्रबंध किए जाने चाहिए।

आयोजन स्थलों पर हो पर्याप्त पुलिस की व्यवस्था

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि समस्त जनपदों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से संबंधित समस्त आयोजन, लीला स्थल, पंडाल, मंदिर एवं शोभायात्राओं को सूचीबद्ध कर योजनाबद्ध पुलिस की व्यवस्था की जाए। साथ ही समस्त आयोजनों में आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का आकलन करते हुए सुदृढ़ सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी नई परंपरा की अनुमति कदापि न दी जाए। असामाजिक, साम्प्रदायिक तत्वों की सूची को अपडेट करें और आवश्यकता पड़ने पर इन साम्प्रदायिक एवं अवांछनीय तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि समस्त जनपदों की पुलिस लाइन तथा इस्कान मंदिरों में वृहद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिला, पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग सम्मिलित होते हैं। इन कार्यक्रमों को सकुशल संपन्न कराने के लिए जनपदीय प्रभारी द्वारा प्रभावी सुरक्षा और यातायात प्रबंधन किया जाए।

भूस्खलन की चपेट में आए तीन घरों में रहने वाले 10 लोगों की मौत, 6 शव बरामद

काठमांडू। एजेंसी

रामेछाप जिले के शैलुंग में आज सुबह हुए भूस्खलन में तीन घरों के चपेट में आने से उन घरों में रहने वाले सभी 10 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि राहत तथा बचाव कार्य में लगे सुरक्षाबलों ने अब तक 6 शव ही बरामद किया है। मलबा हटाने का काम चल रहा है। जिला पुलिस कार्यालय रामेछाप के सूचना अधिकारी कौशल न्यौपाने के अनुसार अब तक जिनका शव बरामद किया जा चुका है उनकी पहचान 57 वर्षीया उर्मिला पहाड़ी, 30 वर्षीय संदीप पहाड़ी, 11 वर्षीय संतोष पहाड़ी, 14 वर्षीय विज्ञान पहाड़ी, 30 वर्षीय चंडिका श्रेष्ठ और उनके 18 महीने के बेटे आयुष श्रेष्ठ के रूप में हुई है। जिला पुलिस कार्यालय

के अलावा घटनास्थल के पास रहे टोकरपुर और दोरम्बा से पुलिस तथा सेना को खोज और बचाव के लिए घटनास्थल पर भेजा गया है। इस भूस्खलन की चपेट में शैलुंग के वार्ड नंबर 2 और 3 को जोड़ने वाला अंधेरी नदी का कंक्रीट पुल भी बह गया है। पुलिस के मुताबिक, आज सुबह 3:35 बजे जिला पुलिस कार्यालय में सूचना मिली कि भूस्खलन से गांव के कुछ घरों को नुकसान पहुंचा है।

संक्षिप्त खबरें

इंग्लैंड ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराया

मैनचेस्टर। जो रूट की नाबाद (62) रनों की जुझारू पारी दम पर इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। इससे पहले शनिवार को कामिंडू मेंडिस के शानदार शतक की बदौलत श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 326 स्कोर खड़ा करते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 205 रनों का लक्ष्य दिया था। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने इंग्लैंड की टीम के खिलाफ श्रीलंकाई गेंदबाजों ने शुरूआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट झटके थे। लेकिन जो रूट नाबाद (62) ने हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ के साथ दो अहम साझेदारियां करके मैच चौथे दिन ही समाप्त कर दिया। इसी के साथ रूट ने टेस्ट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में राहुल द्रविड़ और एलेन बॉर्डर को पीछे छोड़ दिया। हैरी ब्रूक ने (32) और जेमी स्मिथ ने (39) रन बनाये। धनंजय डी सिल्वा की कप्तानी वाली श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। श्रीलंका ने कप्तान धनंजय डीसिल्वा (74) और मिलन रत्नायके (72) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पहली पारी में 236 रन बनाए थे। इंग्लैंड की ओर क्रिस वोक्स और शोएब बशीर ने तीन-तीन बल्लेबाजों को आउट किया। गस ऐटकिंसन को दो विकेट मिले।

फातिमा सना होगी पाकिस्तान टीम की कप्तान

लाहौर। तेज गेंदबाज फातिमा सना को आगामी महिला टी-20 विश्वकप के लिए पाकिस्तान की टीम का कप्तान बनाया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्वकप 2024 के लिए तेज गेंदबाज फातिमा सना को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। उन्हें निदा डार की जगह कप्तान बनाया गया है। 22 वर्षीय फातिमा के लिए यह पहला अवसर होगा जब वह किसी भी आईसीसी स्पर्धा इवेंट में पाकिस्तान की कप्तानी करेंगी। उन्होंने पहले दो बार एकदिवसीय पाकिस्तानी टीम का नेतृत्व किया है। इस मुकाबले में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय चयन समिति के द्वारा कप्तानी में किए गए इस बदलाव के अलावा पाकिस्तान की टीम पहले की जैसी ही है। पिछले महीने उनकी जो टीम महिला टी-20 एशिया कप कि लिए गई थी, उसमें बस एक बदलाव किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज नाजिहा अल्वी की जगह बल्लेबाज सदफ शमास को टीम में शामिल किया गया है।

पैरालंपिकः अवनी अब पेरिस खेलों में भी अपने कारनामें दोहराने को तैयार

नई दिल्ली। 11 साल की उम्र में कार दुर्घटना के कारण कमर के नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त होने के बाद व्हीलचेयर की मदद से चलने वाली पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनी लेखरा अपने माता-पिता की शुक्रगुजार हैं जिनकी सलाह पर उन्होंने निशानेबाजी में हाथ आजमाना शुरू कर दिया है। अवनी तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में एसएच1 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने के बाद देश की सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाली पैरा खिलाड़ी बनी थी। उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक में दस मीटर एयर राइफल में स्वर्ण और 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक जीता था। पैरालंपिक निशानेबाजी स्पर्धा में देश की पहली स्वर्ण पदक विजेता अवनी अब पेरिस खेलों में अपने कारनामों को दोहराने के लिए तैयार है। अवनी अपने परिवार के कहने पर खेलों से जुड़ी और निशानेबाजी ने उन्हें दुर्घटना से मिले आघात से उबरने में मदद किया।

बंगलादेश ने पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 10 विकेट से हराया

● बंगलादेश के गेंदबाजों के आगे पाकिस्तान की टीम ने दूसरी पारी में घुटने टेक दिये

● बंगलादेश की टीम ने पाक पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली

रावलपिंडी। एजेंसी

मेंहदी हसन सिराज (चार विकेट), शाकीब अल हसन (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने रविवार को पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान 10 विकेट से करारी शिकस्त दी है। बंगलादेश की टीम ने पाकिस्तान पर एतिहासिक जीत दर्ज करते हुए दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। बंगलादेश के गेंदबाजों के आगे पाकिस्तान की टीम ने दूसरी पारी में घुटने टेक दिये। मोहम्मद रिजवान (51) के अलावा उसका कोई भी बल्लेबाज पिच अधिक देर तक नहीं टिक सका। पाकिस्तान की पूरी टीम दूसरी पारी में 146 रनों के स्कोर पर ढेर हो गई। सईम अयूब एक रन ,बाबर आजम (22) और सऊद शकील शून्य पर आउट हुए। बंगलादेश को पहली पारी के आधार पर 117 रनों की बढ़त मिली थी। पाकिस्तान के दूसरी पारी में 146 रन पर सिमटने के बाद बंगलादेश को 29 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे उसने 6.3 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 30 रन बनाकर हासिल कर लिया। जाकिर हसन (15) ओर शादमन इस्लाम (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले पाकिस्तान ने छह विकेट पर 448 रन बनाकर पहली पारी घोषित कर दी थी।

पाकिस्तान के लिए मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील ने शतकीय पारी खेली. रिजवान ने 239 गेंदों में नाबाद 171 रन बनाए। शकील ने 141 रनों की पारी खेली। सईम अयूब ने 56 रनों का योगदान दिया। इसके बाद मुशफिकुर रहीम ने (191) सदमन इस्लाम ने (93), लिटन दास ने (56), मेहदी हसन मिराज ने (77) रनों की पारी खेली और मोमिनुल हक ने 50 रनों के योगदान से बंगलादेश ने 565 का स्कोर खड़ा 117 रनों बढ़त बना ली थी।

शिखर धवन के संन्यास पर कोहली का भावुक पोस्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने पूर्व साथी खिलाड़ी शिखर धवन के अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा के बाद उनके लिए एक भावुक नोट लिखा है।

कोहली ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि आपने हमें अनगिनत यादें दी हैं। खेल के प्रति आपका जुनून हमेशा याद आएगा। विराट ने एक्स पर लिखा, "शिखर, आपके निडर डेब्यू से लेकर भारत के भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों में से एक बनने तक, आपने हमें संजोने के लिए अनगिनत यादें दी हैं। खेल के प्रति आपका जुनून, आपकी खेल भावना और आपकी ट्रेडमार्क मुस्कान याद आएगी, लेकिन आपकी विरासत हमेशा जिंदा रहेगी। यादों, अविस्मरणीय प्रदर्शन और हमेशा दिल से नेतृत्व करने के लिए धन्यवाद। मैदान से बाहर आपकी अगली पारी के लिए आपको शुभकामनाएं गब्बर।" भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी थी। उनके ऐलान के एक दिन बाद विराट कोहली ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

आइटा टेनिस : हरियाणा के शिवम ने बिहार के अभिषेक को दी मात

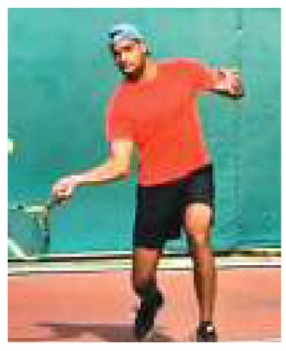

लखनऊ। एजेंसी

आइटा मेंस एक लाख टेनिस टूनार्मेंट में दूसरे दिन भी खिलाड़ियों ने जमकर उत्साह दिखा। क्वालिफाइंग फाइनल राउंड में पश्चिम बंगाल के ऋतब्रत सरकार ने उप्र के फैजल अली की सीधे मुकाबले में मात दी। वहीं हरियाणा के शिवम ने बिहार के अभिषेक को हरा दिया। आशियाना के उन्नाद टेनिस एके-डमी में चल रहे टेनिस टूनार्मेंट में एकल मुकाबले में पश्चिम बंगाल के ऋतब्रत सरकार ने उप्र के मनु सिंह को सीधे मुकाबले में 6-0, 6-0 से मात दे दी। उप्र के गोविंद मौर्या ने उप्र के फैजल अली किदवई को 7-5, 6-2 से हरा दिया। दिल्ली के आदित्य तलवार ने दिल्ली के ही सचित राना को 6-1, 6-1 से हराया। उप्र के यश वर्मा ने उप्र के जाय दास को 6-2, 6-1 से हरा दिया। वहीं हरियाणा के शिवम देवम ने बिहार के अभिषेक सिंह को 6-1, 6-2 से, चं डीगढ़ के अविक शेवरान ने उप्र के अनुज कुमार को 6-3, 6-3 से हरा दिया। वहीं उप्र के यश बघेल ने पश्चिम बंगाल के 6-3, 6-3 से हरा दिया। वहीं उ.प्र. उदय कौल ने उप्र के ही प्रखर अवस्थी को 6-3, 6-2 से हरा दिया।

साइक्लोथोन 4.0 का बालक वर्ग में जावेद और बालिका वर्ग में किरण बनी चैंपियन

अररिया। एजेंसी

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की ओर से राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर फारबिसगंज में रविवार को लगातार चौथे साल आईसीआईसीआई साइक्लोथोन अर्थात साइकिल रेस का आयोजन किया गया, जिसमें बालक और बालिका प्रतिभागियों के लिए अलग अलग कैटेगरी का आयोजन किया गया। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गौरव जैन की अध्यक्षता में आयोजित आईसीआईसीआई साइक्लोथोन रेस फारबिसगंज के हवाई अड्डा से शुरू हुई,जो हवाई फील्ड से चालू होकर गोढ़ीयारे चौक, दीनदयाल चौक,पोस्ट ऑफिस चौक, सदर रोड, स्टेशन चौक, पटेल चौक होते हुए आदर्श मध्य विद्यालय ढोलबज्जा में जाकर समाप्त हुआ।

आदर्श मध्य विद्यालय ढोलबज्जा पहुंचने के उपरांत मारवाड़ी युवा मंच की ओर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर जावेद अख्तर, द्वितीय स्थान पर नीतीश कुमार एवं तृतीय स्थान पर अशफाक आलम और बालिका वर्ग में पहले नंबर पर किरण कुमारी, दूसरे नंबर पर निक्की कुमारी एवं तृतीय नंबर पर स्वीटी भगत को मौजूद अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। दोनों कैटेगरी में प्रथम स्थान पर आने वाले प्रतिभागी को साइकिल, सर्टिफिकेट, ट्रॉफी व अन्य से नवाजा गया वहीं द्वितीय स्थान पर आने वाले को ट्रॉली बैग, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट एवं तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागी को स्मार्ट वॉच, सर्टिफिकेट एवं ट्रॉफी से नवाजा गया।

मौके पर अध्यक्ष गौरव जैन ने कहा कि आईसीआईसीआई साइक्लोथोन फारबिसगंज में मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा पिछले 4 साल से कराया जा रहा है और आने वाले समय में भी इसके रूप को और भी वृहत किया जायेगा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आईसीआईसीआई साइक्लोथोन का आयोजन कर एक और जहां बच्चों के बीच खेलकूद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम किया जाता है।

पेरिस पैरालंपिक के लिए भारत का सबसे बड़ा दल रवाना

नयी दिल्ली। एजेंसी

पेरिस पैरालंपिक 2024 के लिए रविवार को भारतीय एथलीटों का अब तक का सबसे बड़ा दल दिल्ली से फ्रांस के लिए रवाना हो गया है। 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारतीय दल बैडमिंटन, एथलेटिक्स, साइकिलिंग और अन्य सहित विभिन्न स्पर्धाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश को गौराविंत करने के लिए तैयार है। इस दल के साथ भारतीय पैरालिंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया, सचिव जयवंत, चीफ डी मिशन सत्य प्रकाश सांगवान, अन्य प्रमुख सदस्यों के साथ आज रवाना हुए। इस अवसर पर पीसीआई के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा जब हम पेरिस पैरालिंपिक की इस यात्रा पर निकल रहे हैं, तो मुझे अपने एथलीटों पर बहुत गर्व है।

उनका समर्पण, दृढ़ता और भावना वास्तव में प्रेरणादायक है। यह हमारा अब तक का सबसे बड़ा दल है, और मुझे कोई संदेह नहीं है कि वे उम्मीदों से बढ़कर 25 से अधिक पदक जीतेंगे। पूरा देश उनके पीछे खड़ा है, और मुझे विश्वास है कि वे वैश्विक मंच पर भारत को गौरवान्वित करेंगे।

सचिन ने मुंबई हाफ मैराथन को रवाना किया

मुंबई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने रविवार को यहां हुई मुंबई हाफ मैराथन के प्रतियोगियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सचिन ने प्रतियोगिता के स्तर और उसके आगे बढ़ने पर खुशी जताते हुए कहा, यहां का माहौल बहुत ऊर्जावान और उत्साहवर्धक है। इसमें इस बार 20,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे। पिछले साल की तुलना में इस बार महिला प्रतिभागियों की तादाद में 10 फीसदी की बढ़त आई है। उन्होंने कहा, इस बार दृष्टिबाधित प्रतिभागी भी शामिल हुए। प्रतियोगियों में 1000 से अधिक स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। इसे लिए भी एक दौड़ आयोजित की गयी थी। सचिन के हरी झंडी दिखाने से प्रतियोगी बेहद उत्साहित नजर आये। सचिन खेल से संन्यास के बाद से ही सभी प्रकार के खेलों को आगे बढ़ने में योगदान दे रहे हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन हैं। उन्होंने 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 34,357 रन और 100 शतक बनाए हैं।

वाणिज्य

एनएसई के सूचकांकों में बड़े फेरबदल की तैयारी, 30 सितंबर से लागू होगा

निफ्टी 50 से बाहर होंगी डिवीज लेबोरेट्रीज और एलटी माइंडट्री

नई दिल्ली। एजेंसी

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की इंडेक्स मेंटेनेंस सब कमेटी ने निफ्टी 50, निफ्टी बैंक, निफ्टी नेक्स्ट 50 समेत एनएसई के अलग-अलग सूचकांकों में बड़ा फेरबदल करने का फैसला लिया है। इस फेरबदल में एनएसई के अलग-अलग सूचकांकों से कुछ कंपनियों को हटाने के साथ ही कई नई कंपनियों को शामिल किया जाएगा।

निफ्टी 50 से बाहर होने वाली दिग्गज कंपनियों में एलटी माइंडट्री और डिवीज लेबोरेट्रीज के नाम हैं। ये फेरबदल 30 सितंबर से प्रभावित हो जाएगा। निफ्टी के बैंक इंडेक्स से बंधन बैंक को बाहर करके केनरा बैंक को शामिल किया जाएगा। इसी तरह फाइनेंशियल सर्विसेज एक्स-बैंक इंडेक्स से वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम) को हटा कर पब्लिक सेक्टर की कंपनी इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरएफसी) को शामिल किया जा रहा है। इसी तरह निफ्टी 50 इंडेक्स से दिग्गज फार्मास्यूटिकल कंपनी डिवीज लेबोरेट्रीज और आईटी सेक्टर की कंपनी एलटी माइंडट्री को बाहर किया जा रहा है। इन दोनों कंपनियों की जगह पर निफ्टी 50 में डिफेंस सेक्टर की कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और रिटेल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ट्रेंट लिमिटेड को शामिल किया जा रहा है।

इसके अलावा टाटा मोटर्स डीवीआर शेयर को निफ्टी 100, निफ्टी 200, निफ्टी 500 और निफ्टी ऑटोमोबाइल समेत कई सूचकांकों से बाहर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि टाटा मोटर्स के डिफरेंशियल वोटिंग राइट्स वाले 'ए' रेटिंग वाले ऑर्डिनरी शेयर्स को रद्द करने और उनकी जगह साधारण शेयर जारी करने की कंपनी की योजना के कारण ये फैसला लिया गया है।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। एजेंसी

लगातार दो दिन की गिरावट के बाद जन्माष्टमी के एक दिन पहले रविवार को घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज की तेजी के कारण 24 कैरेट सोना एक बार फिर 73 हजार रुपये के स्तर के ऊपर पहुंच गया है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 73,190 रुपये से लेकर 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67,100 रुपये से लेकर 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी आज प्रति किलोग्राम 1,400 रुपये तक महंगा हुआ है। कीमत में आई उछाल की वजह से दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 88,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

ब्लॉक डील्स ने शेयर बाजार में बढ़ाई हलचल

बिग फर्म्स ने किया 20 हजार करोड़ का सौदा

नई दिल्ली। एजेंसी

सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार कई बड़ी ब्लॉक डील्स की वजह से जोरदार हलचल का गवाह बना। इस दौरान कंपनियों के प्रमोटरों के साथ प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल फर्म्स ने ब्लॉक डील के जरिये जबरदस्त बिकवाली की। इसकी वजह से शुक्रवार के अंत तक इन ब्लॉक डील्स की वैल्यू 20 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक हो गई। स्टॉक मार्केट के आंकड़ों के मुताबिक 20 अगस्त को एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग्स ने ब्लॉक डील के जरिए जोमैटो में अपनी 5 प्रतिशत की हिस्सेदारी की बिकवाली की। ये सौदा 4,771 करोड़ रुपये में हुआ। 20 अगस्त को ही जनरल अटलांटिक ने पीएनबी हाउसिंग में 2.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी को 1,116 करोड़ रुपये में बेच दिया। पीएनबी हाउसिंग के शेयरों में दो दिन बाद ही एक बार फिर ब्लॉक डील हुई। 22 अगस्त को एशिया ऑपर्च्यूनिटीज वी (मॉरीशस) ने पीएनबी हाउसिंग में 3.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी को 1,032.72 करोड़ रुपये में बेच दिया। 22 अगस्त को इक्विटी फर्म वॉरबर्ग पिनकस ने ब्लॉक डील के माध्यम से कल्याण ज्वेलर्स में अपनी 6.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। ये पूरा सौदा 3,585 करोड़ रुपये में हुआ। इसी दिन क्रिस कैपिटल ने एरिस लाइफ साइंसेज में अपनी 7.3 प्रतिशत हिस्सेदारी को 1,187 करोड़ रुपये में बेच दिया। इसके अलावा एल्कैम लेबोरेट्रीज के प्रमोटर्स ने ब्लॉक डील के जरिए 487 करोड़ रुपये में अपनी 0.71 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 23 अगस्त को करीब 13 हजार करोड़ रुपये की ब्लॉक डील्स को फाइनलाइज किया गया। इन ब्लॉक डील्स के जरिए मुख्य रूप से टाटा टेक्नोलॉजी, अंबुजा सीमेंट्स, नायका और जीएमआर एयरपोर्ट्स के शेयरों की बिकवाली की गई।

कब है श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, पूजा का शुभ मुहूर्त

इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 26 अगस्त, सोमवार जाएगी। भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का शुभारंभ 25 अगस्त, रविवार रात्रि 3 बजकर 39 मिनट से हो रहा है। अष्टमी तिथि का समापन 26 अगस्त, सोमवार को रात्रि 2 बजकर 19 मिनट पर होगा। ऐसे में रोहिणी नक्षत्र 26 अगस्त को ही मिल रहा है, इसलिए जन्माष्टमी पर्व इस दिन ही मनाना शुभ होगा। इस साल जन्माष्टमी के दिन एक विशेष योग बन रहा है जिसका नाम है जयंती योग। जयंती योग का अर्थ है द्वापर युग में श्री कृष्ण के जन्म के समय जिस योग का निर्माण हुआ था उसी योग का निर्माण एक बार फिर से जन्माष्टमी पर हो रहा है। इसी वजह से इस साल का पर्व हर बार से खास है। शास्त्रों के अनुसार, श्री कृष्ण का जन्म भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर वृषभ राशि में रोहिणी नक्षत्र के होने के समय हुआ था। इस साल 26 अगस्त को रोहिणी नक्षत्र वृषभ राशि में दोपहर 3 बजकर 55 मिनट से रात के 3 बजकर 38 मिनट तक है, इसी वजह से इस पर्व का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण के माथे पर हमेशा क्यों लगा होता है मोर पंख?

कृष्ण जन्माष्टमी हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को धूमधाम से मनाया जाता है। इस साल यह त्योहार 26 अगस्त, दिन सोमवार को है। लोग इस दिन श्री कृष्ण की विधि अनुसार पूजा अर्चना करते हैं। प्रेम और दया के प्रतीक माने जाने वाले श्रीकृष्ण को सारे देवताओं में सबसे ज्यादा श्रृंगार करना पसंद है। आपने भी देखा होगा हर मंदिरों में कृष्ण की प्रतिमा बेहद सुंदर तरीके से और आभूषणों से सजी धजी होती है। कृष्ण का नाम जुबां पर आते ही हमारे मन में सबसे पहले जो छवि उभर कर आती है, वो है- आभूषणों के साथ हाथ में बांसुरी और मस्तक पर मोर पंख धारण किए हुए युवा कृष्ण। दरअसल, कान्हा का मोर पंख पहनना बेहद पसंद आता है और इसलिए उन्हें मोर मुकुटधारी भी कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इसके पीछे कई कारण भी बताए गए हैं। आइए आज हम आपको इसी के बारे में विस्तार से बताते हैं।

राधा संग प्रेम का प्रतीक है मोर पंख

कान्हा के साथ मोरपंख रहने की एक बड़ी वजह राधा से उनका अटूट प्रेम भी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, राधा के महल में ढेर सारे मोर रहते थे। एक बार जब कन्हैया अपनी बांसुरी बजा रहे थे, तो उसकी धुन पर राधा नाचने लगी। उनके साथ-साथ मोर भी मद मस्त हो कर नाचने लगे थे। ऐसे में, एक मोर का पंख नाचते हुए नीचे गिर गया। कहते हैं, उसी मोर पंख को उठाकर श्री कृष्ण भगवान ने अपने माथे पर सजा लिया था। इस प्रकार उन्होंने मोरपंख को राधा के प्रेम का प्रतीक माना और हमेशा अपने मुकुट में मोरपंख सजाए रहते हैं।

शत्रु को विशेष स्थान देते थे कन्हैया

माना जाता है कि कान्हा के भाई बलराम शेषनाग के अवतार थे। मोर और नाग एक-दूसरे के दुश्मन होते हैं, लेकिन कन्हैया के माथे पर लगा मोरपंख यह संदेश देता है कि वे शत्रु को भी अपने जीवन में विशेष स्थान देते हैं।

कालसर्प योग भी है कारण

मोर और सर्प एक-दूजे के दुश्मन होते हैं। ऐसे में, अगर किसी की कुंडली में कालसर्प योग होता है, उन्हें मोर पंख को हमेशा साथ रखना जरूरी होता है। पौराणिक मान्यता है कि श्रीकृष्ण पर भी कालसर्प योग था। इसलिए वह मोरपंख को सदैव अपने पास माथे पर लगा कर रखते थे। मोरपंख के जरिए कान्हा ने कई संदेश दिए हैं।

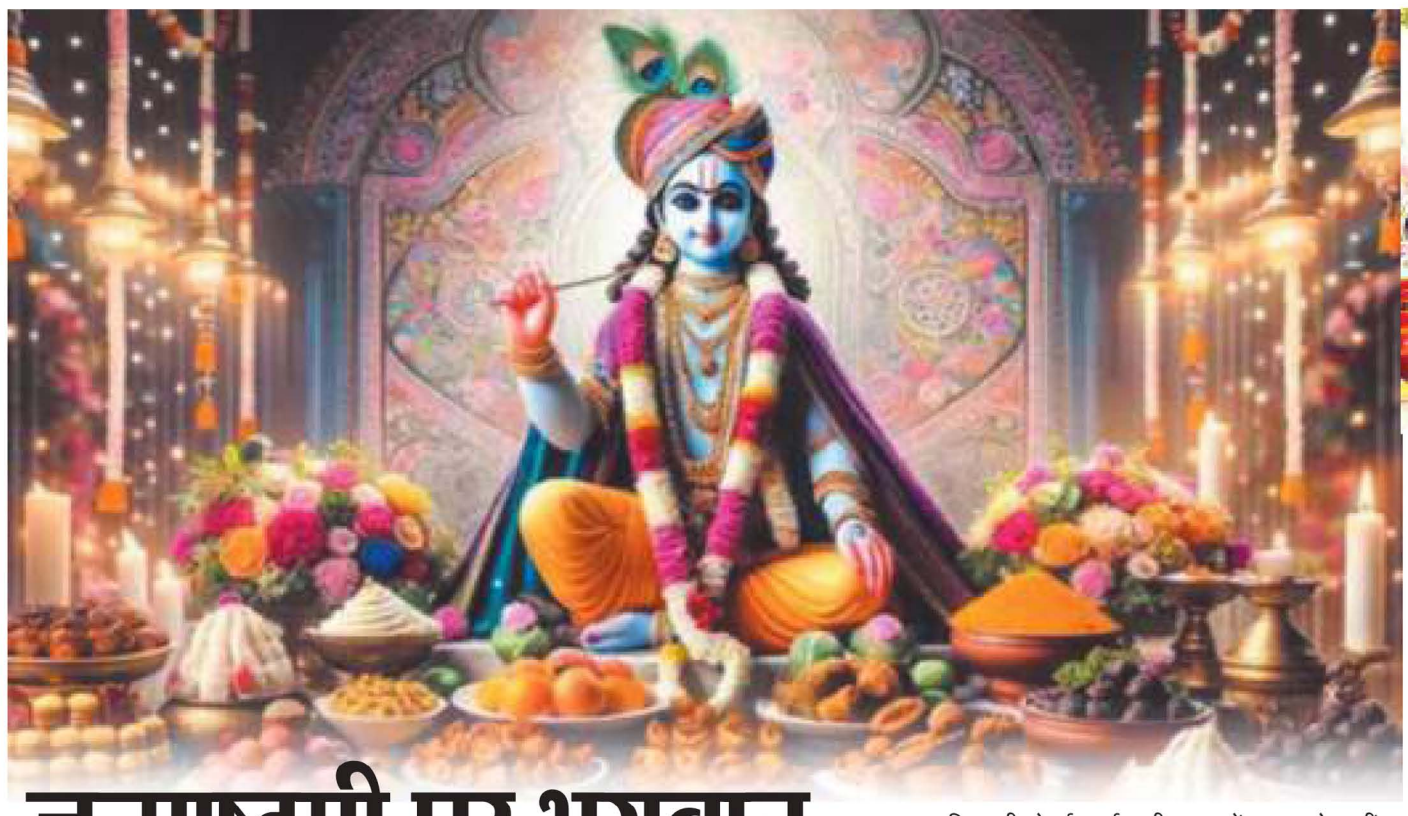

जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण को क्यों लगाया जाता है छप्पन भोग?

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी का त्योहार बेहद शुभ और पावन माना जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाने का महत्व क्या है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति जन्माष्टमी के दिन लड्डू गोपाल की पूजा विधिवत रूप से करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। अब ऐसे में जन्माष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाने की मान्यता है।

भगवान कृष्ण को माखन-मिश्री बहुत प्रिय था। छप्पन भोग में विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, व्यंजन और फल शामिल होते हैं, जो उनकी इस मिष्ठान प्रेम को दर्शाते हैं। छप्पन भोग को सृष्टि के छप्पन अक्षरों का प्रतीक माना जाता है। यह मान्यता है कि इन व्यंजनों के माध्यम से भगवान कृष्ण को संपूर्ण सृष्टि अर्पित की जाती है। भगवान कृष्ण भगवान विष्णु के अवतार हैं। भगवान विष्णु को समस्त भोगों का भोगी माना जाता है। छप्पन भोग के माध्यम से उनका पूजन किया जाता है। छप्पन भोग बनाने और परोसने की रीतियां विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग होती हैं। यह स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को दर्शाता है। पौराणिक कथा के अनुसार एक बार ब्रजवासी स्वर्ग के राजा इंद्र की पूजा के लिए एक बड़ा आयोजन कर रहे थे। तब छोटे कृष्ण ने नंद बाबा से पूछा कि यह आयोजन क्यों किया जा रहा है। तब नंद बाबा ने कहा कि इस पूजा से देवराज इंद्र बेहद प्रसन्न होंगे और अच्छी वर्षा करेंगे। नन्हें कृष्ण ने कहा कि बारिश तो स्वयं इंद्र का काम है और हम इनकी पूजा क्यों करें। अगर पूजा करनी है, तो गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए। क्योंकि इससे फलों और सब्जियों की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही जानवरों को भी चारा मिलता है। तब भगवान श्रीकृष्ण की बात सभी को पसंद आई और सभी लोगों ने इंद्र की जगह गोवर्धन की पूजा करने लगे। इंद्रदेव ने इसे अपने अपमान समझ लिया और वह बेहद क्रोधित हुए। क्रोधित इंद्रदेव ने ब्रज में खूब कहर बरपाया और खूब बारिश करवाई।

इससे पूरे शहर में हर तरफ पानी ही पानी नजर आने लगा। ऐसा दृश्य देखकर सभी ब्रजवासी डर गए। तब श्रीकृष्ण ने सभी को बचाने के लिए कहा कि सभी गोवर्धन पर्वत की शरण में आ जाओ। वहीं हमें इन सभी प्रकोप से बचाएंगे। भगवान कृष्ण ने पूरे गोवर्धन पर्वत को अपने बाएं हाथ की उंगली से उठा लिया। इससे उन्होंने पूरे ब्रज की रक्षा की। वहीं भगवान श्रीकृष्ण ने 7 दिनों तक बिना कुछ खाए गोवर्धन पर्वत को उठाए रहें। कुछ देर बाद जब इंद्रदेव शांत हुए, तो उन्होंने आठवें दिन बारिश बंद करवाई। उसके बाद सभी ब्रजवासी पर्वत से बाहर आ गए। सब समझ गए कि कान्हा ने सात दिनों से कुछ भी नहीं खाया है। तभी मां यशोदा से पूछा कि वह अपने लाला को कैसे खाना खिलाती हैं। तब सबने बताया कि वह अपने कान्हा को दिन में आठ बार भोग कराती हैं। इस प्रकार सभी ने कुछ छप्पन भोग यानी कि हर दिन 8 व्यंजन तैयार किए और श्रीकृष्ण को खिलाया। इस प्रकार कान्हा को 56 भोग खिलाने का परंपरा शुरू हुई।

जन्माष्टमी के दिन भूलकर भी न करें ये गलतियां

इस साल जन्माष्टमी का पर्व 26 अगस्त को मनाया जाएगा, इस दिन भगवान श्री कृष्ण की पूजा की जाती है और भक्त व्रत रखते हैं। ऐसे में जन्माष्टमी के दिन क्या करना है क्या नहीं चलिए जानते हैं।

हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन देश में कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। लोग इस दिन व्रत रखते हैं, श्री कृष्ण की पूजा करते हैं, रात में जागरण करते हैं और कीर्तन कर भगवान के प्रति अपनी भक्ति को प्रकट करते हैं। भक्त इस दिन राधा रानी की पूजा और कीर्तन करते हैं। कान्हा के जन्म दिन को लोग बहुत खास तरह से मनाते हैं, इस दिन पूजा और व्रत के दौरान भूलकर भी ये काम नहीं करना चाहिए, जिससे भगवान नाराज हो जाएं और भक्त को परेशानी का सामना करना पड़े। जन्माष्टमी के दिन क्या करना है क्या नहीं, इसके बारे में हमने अपने एस्ट्रो एक्सपर्ट शिवम पाठक से पुछा है कि इस दिन हमें क्या करना चाहिए क्या नहीं, तो चलिए जानते हैं।

जन्माष्टमी के दिन क्या करें

- जन्माष्टमी के दिन व्रत रखे हो या नहीं सुबह जल्दी स्नान करके लड्डू गोपाल की पूजा जरूर करें।
- भगवान श्री कृष्ण के लिए उनके प्रिय चीजों का भोग तैयार करें।
- तुलसी की माला बनाएं, लेकिन सूई धागा से छेद कर नहीं।
- कान्हा का सुंदर श्रृंगार करें और उन्हें झूला झुलाएं।
- गरीबों को दान दें, प्रसाद बनाकर बच्चों को भोग बांटे।
- पूजा से पहले मंदिर की साफ-सफाई करें और गंगाजल से शुद्ध करें।

जन्माष्टमी के दिन क्या नहीं करें

- जन्माष्टमी पर यदि व्रत रखते हैं, तो उसका पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आप व्रत कर रहे हैं, तो उसके नियमों का पालन पूरी तरह से करें।
- जन्माष्टमी की रात को भोजन करना या सोना गलत माना जाता है। विशेष रूप से रात्रि 12 बजे के बाद भोजन करने से बचें।
- जन्माष्टमी के दिन मांसाहार, तामसिक और राजसिक भोजन का सेवन न करें, इसके अलावा यदि आप कोई नशा करते हैं, तो वह भी करने से बचें। इस दिन केवल सात्विक भोजन और फलाहार का सेवन करें।
- जन्माष्टमी के इस पावन दिन पर किसी भी प्रकार का झगड़ा या विवाद नहीं करना चाहिए, शांति और सौहार्द बनाए रखें।
- मंदिर या घर की स्वच्छता बनाए रखें, गंदगी और अशुद्धता से बचें। पूजा-पाठ के दौरान शुद्ध कपड़े पहने और पूजा के लिए भी शुद्ध और पवित्र चीजों का इस्तेमाल करें।
- बच्चों पर हाथ ना उठाएं और बड़ों का अपमान न करें, इससे भगवान नाराज होते हैं और व्रत पर इसका गलत प्रभाव पड़ता है।

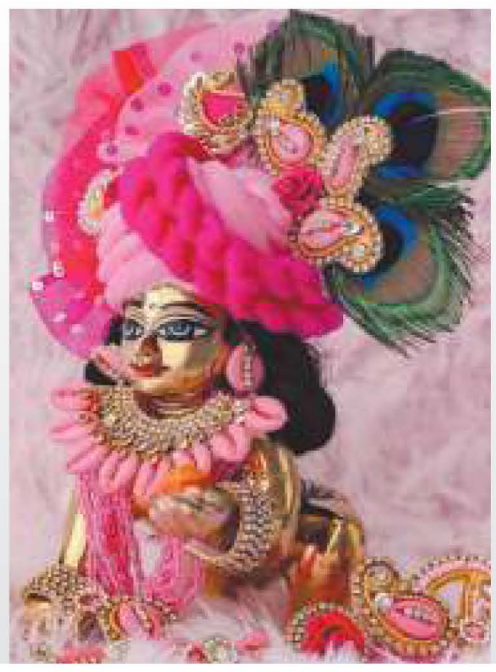

जन्माष्टमी के दिन जरूर करें ये उपाय, भगवान श्रीकृष्ण की बनी रहेगी कृपा

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी का त्योहार बेहद धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के लड्डू गोपाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से की जाती है। सनातन धर्म में जन्माष्टमी का त्योहार अत्यंत पावन और सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से की जाती है। इस दिन ऐसी मान्यता है कि जो भक्त लड्डू गोपाल की पूजा विधिवत रूप से करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही सौभाग्य की भी प्राप्ति होती है। जन्माष्टमी का त्योहार हर भक्त के लिए महत्वपूर्ण होता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी दांपति को कोई संतान नहीं है, तो जन्माष्टमी के दिन व्रत रखकर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से करनी चाहिए। इससे शुभ परिणाम मिल सकते हैं। अब ऐसे में जन्माष्टमी के दिन कुछ ऐसे उपाय हैं, जिसे करने से व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए उपाय

अगर आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं चल रही है, तो जन्माष्टमी के दिन राधा-कृष्ण मंदिर में जाकर श्रीकृष्ण को अपने हाथों से बनी पीले फूल अर्पित करें। ऐसा करने से व्यक्ति को लाभ हो सकता है। साथ ही फूल अर्पित करते समय इस मंत्र का विशेष रूप से जाप करें।

मंत्र है- **क्लीं कृष्णाय गोविंदाय गोपीजनवल्लभाय स्वाहा।**

कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए उपाय

अगर आपकी नौकरी या बिजनेस करते हैं, तो जन्माष्टमी के दिन सात कन्याओं को घर मे आदर सहित बुलाकर उन्हें खीर खिलाएं। लेकिन इससे पहले लड्डू गोपाल को खीर का भोग जरूर लगाएं। इससे आपको सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। साथ ही इस मंत्र का जाप करें।

मंत्र है- **ॐ क्लीं नमो भगवते नन्दपुत्राय बालादिवपुषे श्यामलाय गोपीजन वल्लभाय स्वाहा।**

संतान सुख की प्राप्ति के लिए उपाय

संतान सुख की प्राप्ति के लिए जन्माष्टमी के दिन लड्डू गोपाल को पीले मिठाई का भोग लगाएं और उसके बाद उन्हें झूला झुलाएं। ऐसा करने से संतान सुख का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त होती है।

खुशहाल दांपत्य जीवन के लिए उपाय

अगर आप अपने दाम्पत्य रिश्ते को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो जन्माष्टमी के दिन दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर भगवान श्री कृष्ण का अभिषेक करें। साथ ही भगवान को शहद और इलाइची का भोग लगाएं। साथ ही इस मंत्र का जाप करें- **क्लीं कृष्णाय स्वाहा।**

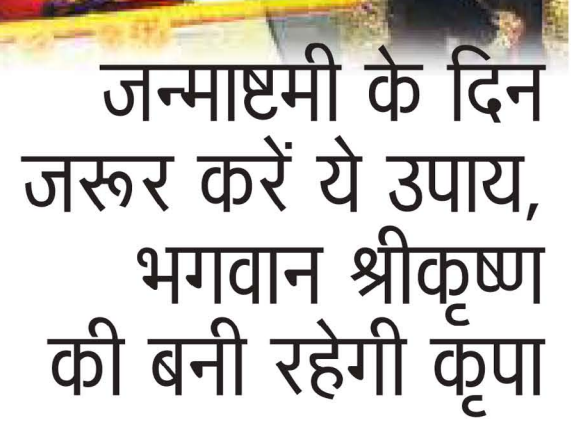

जन्माष्टमी के दिन इन चीजों के दान से होगा भाग्योदय

सनातन धर्म में जन्माष्टमी को बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित है। इस दिन विशेष रूप से कान्हा की पूजा करने विधान है। इस दिन किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

हिंदू पंचांग के हिसाब से भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने की परंपरा है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा विधिवत रूप से करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। साथ ही जीवन में चल रही सभी परेशानियों से भी छुटकारा मिल जाता है। इस दिन भक्त लड्डू गोपाल की पूजा करते हैं। उनका श्रृंगार करते हैं। साथ ही माखन का भोग भी लगाते हैं। अब ऐसे में इस दिन कुछ ऐसी चीजें हैं। जिनका दान करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

जन्माष्टमी के दिन करें अन्न दान

जन्माष्टमी के दिन अन्न दान करना सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दान-पुण्य करने से व्यक्ति को शुभ परिणाम मिल सकते हैं। साथ ही अक्षय फलों की भी प्राप्ति होती है। बता दें, अन्न दान महादान होता है। इसलिए जन्माष्टमी के दिन अन्न का दान विशेष रूप से करें।

करें वस्त्र दान

जन्माष्टमी के दिन वस्त्र का दान करना शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जन्माष्टमी के दिन वस्त्र का दान करने से व्यक्ति को दुख और दरिद्रता से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की कृपा भी बनी रहती है।

जन्माष्टमी के दिन करें माखन का दान

जन्माष्टमी के दिन माखन का दान विशेष रूप से करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि माखन भगवान श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय है और ज्योतिष शास्त्र में इसका संबंध शुक्र ग्रह से भी बताया गया है। इसलिए इस दिन माखन का दान करने से व्यक्ति को शुक्रदोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही धन-धान्य में भी वृद्धि होती है।

करें मोरपंख का दान

मोरपंख को भगवान कृष्ण से जोड़ा जाता है। उन्हें मोरपंख का मुकुट धारण करते हुए अक्सर दर्शाया जाता है। मान्यता है कि मोरपंख भगवान कृष्ण की कृपा प्राप्त करने का एक माध्यम है। जन्माष्टमी पर मोरपंख दान करने से व्यक्ति के काम में आ रही रुकावटें दूर हो सकती हैं। साथ ही व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं भी पूरी हो जाती है। इसलिए इस दिन मोरपंख का दान करना शुभ फलदायी साबित हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929